ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष एकादशी संवत् 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 321 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 मई 2026 बुधवार

आज का मौसम
43.2 अधिकतम
29.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

क्वाड से भारत की रणनीतिक दूरी, ट्रम्प के लिए खतरे की नई घंटी

समाचार विश्लेषण
राजेश सिरोठिया

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की पल-पल बदलती नीतियों ने दस वर्ष पहले चीन को संतुलित करने के उद्देश्य से बने चार देशों के संगठन क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा संवाद) की एकजुटता पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत ने बेहद चतुराई से क्वाड को लेकर अपने उत्साह को नियंत्रित किया है। 'सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे' की रणनीति अपनाते हुए उसने भारत में प्रस्तावित क्वाड शिखर बैठक को आगे बढ़ाकर गेंद ऑस्ट्रेलिया के पाले में डाल दी।

पूरी दुनिया जानती है कि इस संगठन के गठन के पीछे सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता अमेरिका की थी। क्वाड में भारत की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण इसलिए मानी गई क्योंकि चीन के साथ वास्तविक भौगोलिक और सामरिक दबाव भारत ही झेलता है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भौगोलिक रूप से दूर हैं, जबकि भारत सीधे चीन की सीमाओं, हिंद महासागर और दक्षिण एशिया की जटिलताओं से घिरा हुआ है।

यही कारण है कि भारत लंबे समय से महसूस कर रहा था कि क्वाड के सामरिक तनावों का सबसे बड़ा 'साइड इफेक्ट' उसी को भुगतना पड़ रहा है। चीन की श्रीलंका में बढ़ती मौजूदगी, म्यांमार में उसका प्रभाव और बांग्लादेश के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भारत की चिंताओं को और गहरा किया है। दक्षिण एशिया में चीन लगातार अपने रणनीतिक दायरे का विस्तार कर रहा है और उसका सीधा असर भारत की सुरक्षा गणनाओं पर पड़ रहा है। ऐसे समय में भारत यह भी देख रहा था कि एक तरफ अमेरिका उसे चीन के खिलाफ अपने सबसे अहम साझेदार के रूप में प्रस्तुत करता है, वहीं दूसरी तरफ उसी भारत पर भारी टैरिफ और प्रतिबंधात्मक आर्थिक दबाव डालने से भी नहीं हिचकता। इससे नई दिल्ली में स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठा कि क्या वाशिंगटन वास्तव में भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार है, या फिर उसका दृष्टिकोण केवल परिस्थितियों के अनुसार बदलने वाला 'ट्रांजैक्शनल गठबंधन' है। इसी बदलते माहौल में भारत ने भी 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति को और अधिक महत्व देना शुरू किया है। नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत अपने हितों को अमेरिका, रूस, यूरोप और ब्रिक्स जैसे मंचों के बीच संतुलित करके देखना चाहता है। यही कारण है कि भारत क्वाड में रहते हुए भी खुद को किसी सैन्य ध्रुव का स्थायी हिस्सा बनाने से बचता दिखाई देता है।

अमेरिकी स्वार्थों की मार से कोई अछूता नहीं

ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती डेढ़ वर्ष में जिस तरह वैश्विक राजनीति को झकझोरा है, उसने अमेरिका की पारंपरिक कूटनीति को गहरे संकट में डाल दिया है। 'अमेरिका फर्स्ट ' का नारा शुरुआत में अमेरिकी हितों की रक्षा का आक्रामक संकल्प लगा था, लेकिन अब यही नीति अमेरिका के दशकों पुराने सहयोगी ढाँचे को कमजोर करती दिखाई दे रही है। ईरान संकट में सीधी दखलंदाजी, चीन के साथ टकराव, नाटो सहयोगियों पर दबाव और भारत जैसे करीबी रणनीतिक साझेदारों पर आर्थिक हथकंडों का इस्तेमाल—इन सबने अमेरिका की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। कनाडा और मेक्सिको जैसे पड़ोसी देशों के साथ व्यापारिक विवाद पहले ही अमेरिका की छवि को नुकसान पहुँचा चुके हैं। यूरोप में भी स्थिति अलग नहीं है। यूक्रेन संकट के दौरान ट्रम्प ने कई बार अपने ही नाटो सहयोगियों को कठघरे में खड़ा किया। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मैलोनी जैसे नेताओं ने स्पष्ट संकेत दिए कि सहयोग का अर्थ अधीनता नहीं होता। यूरोप अब अपनी स्वतंत्र रणनीतिक पहचान चाहता है और अमेरिका की हर नीति के पीछे आँख बंद करके चलने को तैयार नहीं दिखता।

विरोधाभासी नीतियों का संकट

ट्रम्प की विदेश नीति का सबसे विरोधाभासी पक्ष यह है कि वह मित्र और प्रतिद्वंद्वी के बीच स्थायी रेखा खींचने में असफल दिखाई देते हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना घनिष्ठ मित्र बताते हैं, तो कभी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की आलोचना के बावजूद उन्हें 'विशेष मित्र' कहने से नहीं चूकते। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर के साथ बढ़ती नजदीकियाँ भी भारत सहित कई देशों के लिए असहज संकेत रही हैं। सबसे बड़ी चिंता ट्रम्प के निर्णय तंत्र को लेकर दिखाई देती है। जब किसी नेता के आसपास केवल 'हाँ में हाँ' मिलाने वाले लोग बच जाते हैं, तब गलत फैसलों की संभावना तेजी से बढ़ती है। ट्रम्प ने अपने कई करीबी सलाहकारों और अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से अपमानित कर हटाया। इसका असर यह हुआ कि अब उनके आसपास ऐसे लोगों की संख्या कम होती जा रही है जो उन्हें असहज लेकिन जरूरी सलाह दे सकें।

इतिहास गवाह है कि महाशक्तियाँ केवल बाहरी विरोधियों से कमजोर नहीं होतीं, बल्कि भीतर की निर्णयात्मक अस्थिरता भी उन्हें संकट में डाल देती है। भारत अब समझ चुका है कि बदलती विश्व व्यवस्था में स्थायी मित्र नहीं, केवल स्थायी हित होते हैं। और शायद यही संदेश ट्रम्प युग में अमेरिकी गठबंधन व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है।

INDIAN PREMIER LEAGUE
हैदराबाद-राजस्थान समय शाम 7.30

न्यूज विंडो

बायजू के फाउंडर रवींद्रन को सिंगापुर कोर्ट से 6 माह की जेल

सिंगापूर। बायजू के फाउंडर रवींद्रन को सिंगापुर की कोर्ट ने 6 महीने जेल की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि उन्होंने अप्रैल 2024 से अपनी संपत्तियों से जुड़े कई आदेशों का पालन नहीं किया है। कोर्ट ने उन्हें सरेंडर करने, 90 हजार सिंगापुर डॉलर का जुर्माना भरने और अपनी हिस्सेदारी से जुड़े दस्तावेज जमा करने का आदेश दिया है। कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ी गिरावट आई है और कई कर्मचारियों की छंटनी भी हो चुकी है। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन ने अप्रैल 2024 से अपनी संपत्तियों से जुड़े कई अदालत के आदेशों का बार-बार पालन नहीं किया, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई।

केरल के पूर्व सीएम विजयन के घर ईडी की छापेमारी

तिरुअनंतपुरम। प्रवर्तन निदेशालय ने आज कथित धन शोधन मामले में केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के तिरुवनंतपुरम स्थित आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई बहुचर्चित सीएमआरएल-एक्सालॉजिक मासिक भुगतान मामले में की गई, जिसने केरल की राजनीति में हलचल तेज कर दी है। ईडी पहले ही विजयन की बेटी टी वीना का बयान दर्ज कर चुकी है। वीना की आईटी कंपनी एक्सालॉजिक सॉल्यूशन इस पूरे विवाद के केंद्र में है। हालांकि अब तक विजयन से पूछताछ नहीं हुई है, लेकिन संकेत हैं कि जांच आगे बढ़ने पर एजेंसी उनका बयान भी दर्ज कर सकती है।

युगांडा से बेंगलुरु आई महिला के सैंपल में दिखे इबोला लक्षण

बंगलूरू। इबोला वायरस को लेकर दुनिया भर में बढ़ती चिंता के बीच बंगलूरू में युगांडा की एक 28 वर्षीय महिला को एहतियात के तौर पर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महिला में इबोला जैसे हल्के लक्षण दिखाई देने के बाद उसे विशेष निगरानी में रखा गया है। अधिकारियों के अनुसार महिला हाल ही में इबोला प्रभावित क्षेत्र से भारत आई थी। शुरुआत में वह एक होटल में ठहरी हुई थी, लेकिन शरीर दर्द जैसे लक्षण सामने आने के बाद उसे बंगलूरू के सरकारी एपिडेमिक डिजीज हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया।

आज का कार्टून

वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

विपक्ष के आरोप खारिज, एसआईआर पूरी तरह वैध, यह चुनाव आयोग का अधिकार

नई दिल्ली/ पटना , एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार चुनाव से पहले वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण, यानी एसआईआर प्रक्रिया को वैध और संवैधानिक करार दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने कहा कि चुनाव आयोग को एसआईआर के लिए विशेष प्रक्रिया अपनाने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है और उसे निष्पक्ष एवं शुद्ध मतदाता सूची सुनिश्चित करने का अधिकार है। अदालत ने माना कि विशेष परिस्थितियों में अलग प्रक्रिया अपनाना संविधान और कानून के खिलाफ नहीं है।

कोर्ट ने माना कि चुनाव आयोग के पास संविधान और जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराने का अधिकार है। एसआईआर का उद्देश्य संविधान में निहित स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य से सीधे जुड़ा हुआ है। हम इस बात से भी संतुष्ट हैं कि इस प्रक्रिया के जरिए हासिल किया जाने वाला उद्देश्य संविधान के स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य से सीधा संबंध रखता है।बिहार में यह प्रक्रिया शुरू होने के बाद इसे चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि यह सामान्य संशोधन प्रक्रिया से अलग है और मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित कर सकती है।

निर्वाचन आयोग ने बिहार में 30 सितंबर 2025 को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हटाए गए वोटर्स की सूची और कारण भी सार्वजनिक किए गए थे। इसके बाद वोटर्स की संख्या 6 फीसदी घटकर 7.42 करोड़ हो गई थी। फाइनल लिस्ट से 69.29 लाख नाम कटे। 21.53 लाख नए नामों को जोड़ा गया। जबकि एसआईआर से पहले जून 2025 में कुल 7.89 करोड़ वोटर्स थे। पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद ये आंकड़ा 7.24 करोड़ हो गया। इसमें 65.63 लाख लोगों के नाम कटे थे। पहले ड्राफ्ट लिस्ट से जो 65 लाख नाम कटे थे, उसमें 17 लाख नामों को बाद में लिस्ट में जोड़ा गया।

सक्षम प्राधिकारी के पास जाएंगे मामले

वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए11 दस्तावेजों पर विचार करने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के माध्यम से आधार कार्ड को शामिल करने का जिक्र भी हुआ। कोर्ट ने कहा - इसके इस तर्क को स्वीकार को स्वीकार नहीं किया जा सकता कि चुनाव आयोग द्वारा अपेक्षित दस्तावेजों का समूह मनमाना है। यह भी व्यावहारिक नहीं है कि दस्तावेजों का सत्यापन बिना किसी दिशा-निर्देश के किया जाए। जिन लोगों के नाम हटा दिए गए हैं, उनका मामला 4 हफ्तों के अंदर नागरिकता से संबंधित सक्षम प्राधिकारी को भेजना होगा। उस प्राधिकारी को विधानसभा चुनावों या स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उन्हें नोटिस देना होगा, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर देना होगा और उनके दावों पर फैसला करना होगा। एक बार जब यह तय हो जाता है कि वे नागरिक हैं, तो उनके नाम मतदाता सूचियों में शामिल किए जाने चाहिए।

आसाराम की उम्रकैद रहेगी बरकरार, जोधपुर हाईकोर्ट ने कहा तुरंत करें सरेंडर

जोधपुर। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम बापू को राजस्थान हाईकोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ की डिवीजन बेंच ने निचली अदालत द्वारा दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। फिलहाल पैरोल पर बाहर चल रहे आसाराम को अदालत ने तुरंत सरेंडर करने का आदेश भी जारी किया है।

जोधपुर पीठ की डिवीजन बेंच ने इस बहुचर्चित प्रकरण में तकनीकी और कानूनी बारीकियों को खंगालते हुए कुछ बेहद चौंकाने वाले बदलाव किए हैं। अदालत ने इस मामले से 'गैंगरेप' और 'साजिश' जैसे बड़े दाग तो हटा दिए हैं, लेकिन मुख्य आरोपी आसाराम बापू को जेल की सलाखों से कोई राहत नहीं मिली है। उनकी उम्रकैद की सजा जस की तस कायम रखी गई है। आसाराम बापू समेत तीन आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए उन्हें गैंगरेप (धारा 376-D) के आरोप से बरी कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर गैंगरेप का अपराध साबित नहीं होता है। भले ही गैंगरेप की धारा हटाई गई हो, लेकिन नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म के अन्य गंभीर आरोपों में दोषसिद्धि पूरी तरह सही है। इसलिए निचली अदालत की ओर से दी गई उम्रकैद की सजा में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट से इस फैसले में अगर किसी को सबसे बड़ी राहत मिली है, तो वे हैं इस केस के सह-आरोपी शरद और शिल्पी। निचली अदालत ने इन्हें भी इस अपराध में भागीदार माना था, लेकिन हाईकोर्ट ने उपलब्ध साक्ष्यों की समीक्षा करने के बाद उन्हें बरी कर दिया।

कम अटेंडेंस होगी तो परीक्षा नहीं दे पाएंगे कानून पढ़ने वाले छात्र

नई दिल्ली, एजेंसी। कानून के छात्रों द्वारा कैंपस में घूमने के लिए क्लास बंक करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि मिनिमम अटेंडेंस की कमी के आधार पर किसी भी छात्र को परीक्षा देने से नहीं रोका जा सकता। हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ लॉ कॉलेजों और बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी करते हुए जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि कम अटेंडेंस के कारण सभी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज को नुकसान हो रहा है।

ईरान फिर जंग की तैयारी में जुटा, कहा- अमेरिका पर भरोसा नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। शान्ति के लिए चल रही वार्ता के बीच ईरान, अमेरिका के साथ संभावित नए युद्ध के लिए तैयारी कर रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक तेहरान को वॉशिंगटन पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और वह होर्मुज स्ट्रेट को अपना सबसे बड़ा रणनीतिक हथियार मान रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी अधिकारी तीन मोर्चों पर काम कर रहे हैं- सैन्य तैयारी, घरेलू समर्थन और कूटनीति। हालांकि बातचीत का रास्ता खुला रखा गया है, लेकिन सेना और ईरान रेवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स हाई अलर्ट पर हैं।

ईरान ने अमेरिका पर युद्धविराम तोड़ने का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि अमेरिका ने दक्षिणी प्रांत होरमोजगन में सैन्य कार्रवाई कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोमवार को दावा किया था कि उसने दक्षिणी ईरान में मिसाइल ठिकानों और कुछ नौकाओं पर हमला किया। ईरान मानता है कि होर्मुज स्ट्रेट उसकी सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। इसी वजह से तेहरान इसे अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दबाव बनाने के बड़े हथियार के तौर पर देख रहा है। ईरानी नेतृत्व ने कहा है कि नए संघर्ष की स्थिति में अमेरिका के सैन्य ठिकाने, ऊर्जा ढांचा और उससे जुड़े हित निशाने पर हो सकते हैं। कुछ दिन पहले आईआरजीसी ने भी चेतावनी दी थी कि किसी नए अमेरिकी हमले का जवाब पहले से ज्यादा हिंसक होगा और उसका असर मिडिल-ईस्ट से बाहर तक महसूस किया जाएगा।

मेट्रो एंकर

जनगणना महारजिस्ट्रार की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बढ़ रही लोगों की उम्र

कश्मीर के पुरुष और केरल की महिलाएं सबसे ज्यादा जी रहे जिंदगी

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में बेहतर इलाज, टीकाकरण और स्वास्थ्य सुविधाओं का असर अब लोगों की जिंदगी पर साफ दिखाई देने लगा है। भारत में लोगों की औसत उम्र लगातार बढ़ रही है। हाल ही में जारी जीवन प्रत्याशा रिपोर्ट में सामने आया है कि देश में औसत जीवन प्रत्याशा बढ़कर 70.6 वर्ष हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर के पुरुष सबसे ज्यादा लंबी जिंदगी जी रहे हैं, जबकि महिलाओं में केरल सबसे आगे है। छत्तीसगढ़ में औसत उम्र सबसे कम दर्ज की गई है।

जनगणना महारजिस्ट्रार की वर्ष 2020-24 की हाल में आई रिपोर्ट के अनुसार, 2019-23 की तुलना में देश की औसत जीवन प्रत्याशा 0.3 वर्ष बढ़ी है। इसका मतलब है कि अब भारतीय पहले से ज्यादा लंबे समय तक जीवित रह रहे हैं। देश में सबसे ज्यादा औसत जीवन प्रत्याशा केरल में 75.6 वर्ष दर्ज की गई है। वहीं छत्तीसगढ़ सबसे नीचे रहा, जहां यह आंकड़ा 64.7 वर्ष रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और जीवन स्तर बेहतर होने से यह बदलाव देखने को मिला है।

राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की उम्र 4.1 वर्ष ज्यादा

रिपोर्ट के मुताबिक, जन्म के समय पुरुषों की जीवन प्रत्याशा जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक 73.8 वर्ष रही। महिलाओं के मामले में केरल पहले स्थान पर रहा। इसके बाद हिमाचल प्रदेश और दिल्ली का नंबर आता है। वहीं बिहार और उत्तर प्रदेश महिलाओं की कम जीवन प्रत्याशा वाले राज्यों में शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि राष्ट्रीय स्तर पर महिलाएं पुरुषों से औसतन 4.1 वर्ष ज्यादा जी रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं की औसत उम्र पुरुषों से ज्यादा पाई गई है।

शहर और गांव के आंकड़ों में अंतर

रिपोर्ट में शहरी और ग्रामीण इलाकों के बीच भी बड़ा अंतर देखने को मिला। जन्म के समय और 70 वर्ष की आयु पर शहरों में रहने वाले लोगों की जीवन प्रत्याशा गांवों से ज्यादा है। केरल और उत्तराखंड में जन्म के समय ग्रामीण इलाकों की जीवन प्रत्याशा शहरों से अधिक रही। वहीं 70 वर्ष की उम्र के बाद उत्तराखंड, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, केरल, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और झारखंड के ग्रामीण इलाकों में लोग शहरों की तुलना में ज्यादा लंबी जिंदगी जी रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि औसत उम्र बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन इसके साथ बुजुर्ग आबादी भी तेजी से बढ़ेगी। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं, बुजुर्ग देखभाल और सामाजिक सुरक्षा पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

समर कैंप में बच्चों को दिया जा रहा स्विमिंग का प्रशिक्षण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कल्पना नगर तरण पुष्कर में इन दिनों समर कैंप के तहत बच्चों और युवाओं को स्विमिंग का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गर्मी की छुट्टियों में आयोजित इस कैंप में बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बड़े लोग हिस्सा लेकर स्विमिंग सीख रहे हैं। कैंप को लेकर क्षेत्र में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

तरण पुष्कर के मैनेजर बृजभान सिंह धाकड़ ने बताया कि समर कैंप के दौरान बच्चों को प्रशिक्षित कोचों द्वारा स्विमिंग की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। कैंप में शुरुआती स्तर से लेकर एडवांस स्तर तक का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि बच्चे सुरक्षित तरीके से तैराकी सीख सकें और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

उन्होंने बताया कि केवल स्विमिंग ही नहीं, बल्कि बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को ध्यान में रखते हुए कराटे क्लासेस का भी आयोजन किया जा रहा है। वहीं महिलाओं और युवतियों के लिए जुंबा क्लासेस एवं जिम की विशेष सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे फिटनेस के प्रति लोगों का रुझान लगातार बढ़ रहा है।मैनेजर बृजभान सिंह धाकड़ के अनुसार यह समर कैंप करीब 8 महीने तक संचालित किया जाता है। कैंप के दौरान कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी तैयार होते हैं, जो आगे चलकर विभिन्न स्विमिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं।

ईद-उल-अधा (बकरीद) पर दी मुबारकबाद

दाऊदी बोहरा समाज ने सादगी और अमन के साथ मनाया पर्व

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल में मंगलवार को दाऊदी बोहरा समाज ने ईद-उल-अधा (बकरीद) का पर्व धार्मिक आस्था, अनुशासन और सादगी के साथ मनाया। सुबह से ही शहर की बोहरा मस्जिदों में नमाजियों की भीड़ उमड़ पड़ी। समाजजनों ने विशेष नमाज अदा कर देश में शांति, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। अलीगंज स्थित हैदरी मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों में सुबह से रौनक देखने को मिली। पारंपरिक लिबास में पहुंचे लोगों ने खुतबा सुना और सामूहिक नमाज में शामिल हुए। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में त्योहार को लेकर खास उत्साह नजर आया।

कई स्थानों पर मेल-मिलाप कार्यक्रम आयोजित हुए

नमाज के बाद समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। कई स्थानों पर मेल-मिलाप कार्यक्रम आयोजित हुए, जहां लोगों ने आपसी सौहार्द और एकता का संदेश दिया। परिवारों में खास पकवानों का दौर भी चला और लोगों ने एक-दूसरे के घर पहुंचकर त्योहार की खुशियां साझा कीं।

प्रशासन के सहयोग से शांतिपूर्ण आयोजन

दाऊदी बोहरा समाज के मीडिया समन्वयक इब्राहिम अली दाऊदी ने पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन के सहयोग से सभी कार्यक्रम व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए। साथ ही शहरवासियों को ईद की शुभकामनाएं देते हुए समाज में भाईचारा और सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

भोपाल मेट्रो के लिए हटेंगी कई दुकानें और मकान, नोटिस जारी किया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मेट्रो ट्रेन की ब्लू लाइन के लिए अब न्यू मार्केट से लगे रोशनपुरा, मालवीय नगर में दुकानों की बड़ी तोड़फोड़ होगी। यहां दरवेश बर्तन भंडार की लाइन और इसके आसपास के क्षेत्र की दुकानों को नोटिस देकर आगाह किया गया है। अगले दो माह में यहां काम शुरू होगा। मेट्रो ट्रेन के इन नोटिस से पूरे क्षेत्र में लोगों में डर है। ये मेट्रो ट्रेन अफसरों से मुलाकात कर अपनी स्थिति स्पष्ट करना चाहते हैं। यहां सरकारी जमीन है और प्रोजेक्ट की डिजाइन में बदलाव कर दुकानों को बचाने की गुहार लगा रहे हैं।

न्यू मार्केट और मालवीय नगर में स्टेशन की डिजाइन में पहले ही बदलाव किया जा चुका है। छोटी बड़ी 15 दुकानें इससे प्रभावित होने की स्थिति है। रोशनपुरा मेट्रो स्टेशन कांग्रेस के जवाहर भवन के पास है। इसकी डिजाइन को लेकर कई आपत्तियां आईं। कुछ बड़े कॉम्प्लेक्स इसमें जा रहे थे, जिन्हें डिजाइन बदलकर बचाया गया। मालवीय नगर की ओर बड़ी संख्या में स्लम है।

रेलवे के लिए खतरा थी झुग्गियां

गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता के अनुसार ये अभी नई झुग्गियां बनी थी। रेलवे की सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी। इसके साथ ही रेलवे यहां अपनी जमीन को संरक्षित करने फेंसिंग का काम शुरू करने वाला है। मौके पर प्रशासन व पुलिस बल सुबह ही पहुंच गया था। इन झुग्गियों में से अधिकतर में छोटी दुकानें संचालित की जा रही थी। ये लोग पास की ही कॉलोनी के थे। इन्हें हटाया गया। जमीन खाली कराई, अब रेलवे यहां फेंङ्क्षसग कर जमीन को संरक्षित करेगा।

आवासीय क्षेत्र भी चिंता में

मेट्रो की तोड़फोड़ से सिर्फ न्यू मार्केट मालवीय नगर ही नहीं, जहांगीराबाद बाजार से लेकर आवासीय क्षेत्र तक चिंता में है। यहां 600 मीटर लंबा हिस्सा मेट्रो के लिए तोड़ा जाएगा। इसमें कई बड़े व्यवसायिक भवन शामिल है। दुकानों के अंदर तक निशान लगाए हुए हैं। 20 मकान भी है, जिन्हें तोड़ा जाएगा। इसके लिए लोगों ने कलेक्ट्रेट से लेकर कोर्ट तक याचिका लगाई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

ईदुज्जुहा के चलते माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय की 28 मई की परीक्षाएं स्थगित

भोपाल। भारत सरकार और मध्यप्रदेश शासन की ओर से 28 मई को ईदुज्जुहा (बकरीद) का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस कारण माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) ने अपनी परीक्षाओं के कार्यक्रम में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। वशवविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी सूचना के अनुसार, अब 28 मई, 2026 को होने वाली सभी परीक्षाएं 07 जून, 2026 (रविवार) को आयोजित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय परिसर के साथ ही मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में विश्वविद्यालय की परीक्षाएं संचालित की जा रही हैं, यह बदलाव सभी परीक्षा केंद्रों पर लागू होगा। पीएचडी के साक्षात्कारों की दिनांक में भी आंशिक बदलाव किया गया है।

पुराने प्रवेश पत्र ही होंगे मान्य :एमसीयू प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुविधा और भ्रम को दूर करने के लिए यह स्पष्ट किया है कि इन परिवर्तित परीक्षाओं के लिए अलग से कोई नए प्रवेश पत्र जारी नहीं किए जाएंगे। परीक्षा केंद्र पर विद्यार्थियों द्वारा पूर्व में प्राप्त किए गए प्रवेश पत्र ही पूरी तरह से मान्य होंगे।

वेबसाइट पर देखें नया कार्यक्रम :विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संबंधित अध्ययन संस्थाओं और परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा से जुड़ी किसी भी प्रकार की जानकारी या संशोधित परीक्षा कार्यक्रम देखने के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करें।

पीएचडी के साक्षात्कार में भी परिवर्तन : इसी प्रकार, विश्वविद्यालय में पीएचडी के साक्षात्कारों की दिनांक में भी परिवर्तन किया है।

रीयांशी अस्पताल द्वारा गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में फ्री हेल्थ चेकअप शिविर आयोजित

भोपाल। शहर के गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में रियांशी अस्पताल द्वारा मरीजों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संया में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण कराया।रियांशी अस्पताल के डॉ. आशु नरेंद्र पटेल ने बताया कि यह उनका 11वां फ्री हेल्थ चेकअप कैंप है। अस्पताल की टीम लगातार स्लम बस्तियों एवं जरूरतमंद क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रही है। उन्होंने बताया कि कोलुआ कला, सेमरा, सुभाष कॉलोनी सहित अन्य कॉलोनियों में भी लगातार फ्री चेकअप कैंप लगाए जा रहे हैं।डॉ. पटेल ने कहा कि शिविर में डेंगू, मलेरिया सहित अन्य बीमारियों की जांच निशुल्क की जा रही है, जिससे लोगों को समय पर उपचार मिल सके और डेंगू जैसी बीमारियों से राहत मिले।

अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़

भट्टी लगाकर बना रहा था घातक हथियार, आरोपी गिरफ्तार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी भोपाल के निशातपुरा थाना पुलिस ने अवैध हथियार बनाने और उनकी सप्लाई करने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। आरोपी सड़क किनारे भट्टी लगाकर घरेलू औजार और लोहे का सामान बनाने की आड़ में धारदार हथियार तैयार कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब दो दर्जन अवैध हथियार और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक आरोपी लंबे समय से न्यू जेल रोड इलाके में अवैध हथियार बनाकर अपराधियों को सप्लाई कर रहा था। मामले का खुलासा तब हुआ जब 22 मई को निशातपुरा पुलिस ने क्षेत्र के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान इन आरोपियों से हथियार सप्लायर के बारे में अहम जानकारी मिली।

इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। 25 मई को पुलिस को सूचना मिली कि पंचवटी भरपट के सामने स्थित एक ढाबे के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से धारदार हथियार बनाकर बेच रहा है। सूचना की पुष्टि होने पर थाना प्रभारी मनोज पटवा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने पंचवटी भरपट, करोंद, न्यू जेल रोड निवासी 35 वर्षीय सरदार सिंह लोहार को गिरफ्तार कर लिया।

दो दर्जन धारदार हथियार बरामद

छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से 16 पुरिया, 6 बेंच और 4 बलिया सहित हथियार बनाने के औजार व अन्य सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने आरोपी से इन हथियारों के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे, लेकिन वह कोई प्रमाण पेश नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने सभी हथियार और निर्माण सामग्री जब्त कर ली। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने अब तक किन-किन बदमाशों को हथियार सप्लाई किए हैं।

हमीदिया अस्पताल के गेट पर मरीज के अटैंडर ने कर दी गार्ड की पिटाई, पास मांगने पर हुआ विवाद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

हमीदिया अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। अस्पताल के मुख्य गेट पर तैनात सुरक्षा गार्ड हेमंत के साथ अटैंडर द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। घटना के बाद कोहेफिजा थाना पुलिस ने आरोपी अजीब अली के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कोहेफिजा थाना प्रभारी केजी शुक्ला ने बताया कि अस्पताल में प्रवेश के दौरान गार्ड हेमंत रैकवार ने अटैंडर अजीब अली से पास दिखाने के लिए कहा था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। गार्ड के अनुसार विवाद के दौरान आरोपी ने उस पर पास रखी कुर्सी उठाकर मारने लगा। घायल गार्ड को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल में ही भर्ती किया गया है।

पास चैकिंग के दौरान हुई घटना

पुलिस के मुताबिक शनिवार शाम 7 बजे के करीब गार्ड हेमंत रैकवार हमीदिया अस्पताल के गेट पर ड्यूटी कर रहा था। वह पास चेक कर लोगों को अस्पताल में प्रवेश दे रहा था। इसी दौरान अजीब अली अपनी के साथ वहां पहुंचा। पास नहीं होने पर गार्ड ने दोनों को वहीं रोक दिया और वेटिंग एरिया में बैठने को कहा। इस दौरान उनके बीच विवाद होने लगा और देखते ही देखते आरोपी ने गार्ड पर हमला कर दिया और उसे पीटने लगा।गार्ड के अनुसार आरोपी ने कुर्सी से उसके मुंह और नाजुक अंगों पर वार किया।

आंगनवाड़ियों में 'स्कूल रेडीनेस मेला' का आयोजन

भोपाल। महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेश और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 'समर कैंप 2026 – स्कूल की तैयारी' कार्यक्रम के अंतर्गत भोपाल जिले के 73 आँगनवाड़ी सेक्टरों में स्कूल रेडीनेस मेला-1 का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में वे बच्चे भाग लेंगे जो इसी वर्ष आँगनवाड़ी से कक्षा-1 में प्रवेश लेने वाले हैं। 73 में से 53 सेक्टरों में यह मेला को एक साथ आयोजित किया गया, जबकि शेष 20 सेक्टरों में 29 मई अथवा 01 जून 2026 को मेला होगा।समर कैंप 2026 एक सामुदायिक शिक्षा कार्यक्रम है जो तहत संचालित आधारशिला पाठ्यक्रम पर आधारित है। आधारशिला 48 सप्ताह का गतिविधि आधारित पाठ्यक्रम है जिसे

4+18+4+18+4 सप्ताह के क्रम में बाँटा गया है। 5-6 वर्ष के बच्चों के लिए इसका अंतिम 4-सप्ताह का पुनरावृत्ति चरण विशेष महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि बच्चा अब स्कूल में प्रवेश लेने वाला होता है।

मेट्रो एंकर — सेंट्रलाइज्ड सुरक्षा नेटवर्क से जुड़ा है यह पूरा सिस्टम, 500 सीसीटीवी कैमरों से 24 घंटे हो रही निगरानी

एम्स: डॉक्टर-स्टाफ की सुरक्षा के लिए लगाए 150 से ज्यादा पैनिक बटन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) भोपाल प्रबंधन ने अस्पताल परिसर में डाक्टरों, नर्सों और महिला पैरामेडिकल स्टाफ को सुरक्षित माहौल दे रहा है। कार्यस्थल पर सुरक्षा को पुख्ता करने की तैयारियों के तहत एम्स परिसर को पैनिक बटन ग्रिड से लैस कर दिया गया है।इसके अंतर्गत अस्पताल के ड्यूटी रूम, विभिन्न वार्डों और महिला शौचालयों के बाहर 150 से अधिक आधुनिक पैनिक बटन और हूटर्स (सायरन) लगाए गए हैं, ताकि किसी भी अप्रिय या आपातकालीन स्थिति में तत्काल सुरक्षा घेरा तैयार किया जा सके।

अभद्रता और हिंसा पर लगेगी लगाम

एम्स प्रबंधन द्वारा स्थापित यह अत्याधुनिक पैनिक बटन सिस्टम पूरी तरह से सेंट्रलाइज्ड (केंद्रीयकृत) सुरक्षा नेटवर्क पर काम करता है। ड्यूटी के दौरान किसी भी प्रकार की आपात स्थिति, अभद्रता या संदिग्ध गतिविधि का आभास होने पर स्टाफ द्वारा बटन दबाते ही सुरक्षा तंत्र सेकंडों में हरकत में आ जाएगा। **500 कैमरों का कड़ा पहरा-** एम्स भोपाल को पूरी तरह से सुरक्षित जोन में तब्दील करने के लिए पैनिक बटन के साथ-साथ पूरे परिसर में लगभग 500 नए और उच्च क्षमता वाले सीसीटीवी कैमरे भी इंस्टाल किए गए हैं। इन कैमरों के जरिए अस्पताल के कोने-कोने, गलियारों, एंट्री-एग्जिट पाइंट्स और डार्क स्पाट्स की चौबीसों घंटे लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है।

कंट्रोल रूम को इंस्टेंट अलर्ट

पैनिक बटन दबाते ही सीधे अस्पताल के मुख्य सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को लाइव लोकेशन के साथ अलर्ट पहुंचेगा, जिससे सुरक्षाकर्मी बिना एक भी पल गंवाए सीधे मौके पर पहुंच सकेंगे। बटन दबते ही संबंधित वार्ड और गलियारे में लगे ऊंचे आवाज वाले हूटर्स (सायरन) बजने लगेंगे। इस सायरन की आवाज से न केवल आसपास का स्टाफ सचेत होगा, बल्कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को डराकर भगाया जा सकेगा। आपातकालीन परिस्थितियों को देखते हुए इस सिस्टम को आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीधे नजदीकी पुलिस स्टेशन से भी लिंक करने की कवायद की जा रही है, ताकि जरूरत पड़ने पर पुलिस बल की मदद भी तुरंत मिल सके।

उज्जैन की आध्यात्मिक चेतना में गूंजी अंतर्जली यात्रा की नई प्रेरणा

मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में उज्जैन की पावन धरा पर क्षिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा का भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर आध्यात्मिक भावनाओं और सांस्कृतिक चेतना से ओतप्रोत पुस्तक 卐अंतर्जली यात्रा卐 का लोकार्पण किया गया। श्रद्धा, संस्कृति और सनातन परंपरा के अद्भुत संगम बने इस आयोजन ने उज्जैन की आध्यात्मिक महिमा को नई ऊँचाइयाँ दीं। क्षिप्रा तट पर गूँजते मंत्रोच्चार, संतों का आशीर्वाद और भक्तों की आस्था ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। यह क्षण केवल पुस्तक विमोचन नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा का उत्सव बन गया।

देश-विदेश के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और कलाकार होंगे शामिल

जल गंगा संवधर्न अभियान के तहत भारत भवन में 'सदानीरा समागम' आज से शुरू

भारत भवन में 2 जून तक चलेगा सात दिवसीय समागम

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, चित्रकला कार्यशाला और जल-केंद्रित प्रदर्शनियां होंगी मुख्य आकर्षण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

जल संरक्षण, भारतीय संस्कृति और सतत विकास के मुद्दों पर राष्ट्रीय स्तर का विमर्श बुधवार से राजधानी भोपाल के भारत भवन में शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 मई को 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सांस्कृतिक उत्सव 'सदानीरा समागम' का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। वीर भारत न्यास के तत्वावधान में आयोजित यह सात दिवसीय समागम 2 जून तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश के विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शिक्षाविद, नीति-निर्माता और कलाकार भाग लेंगे। उद्घाटन समारोह में खेल एवं युवा कल्याण और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर और संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी उपस्थित रहेंगे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां बनेंगी आकर्षण का केंद्र

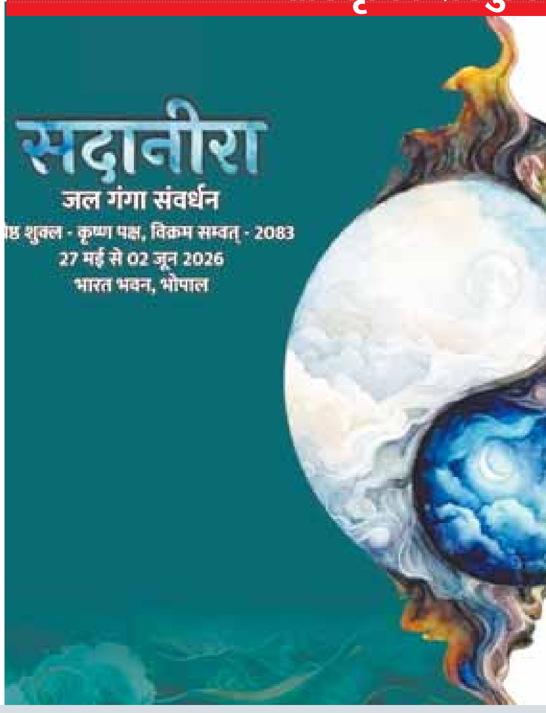

समागम में बौद्धिक विमर्श के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी विशेष श्रृंखला आयोजित की जाएगी। प्रतिदिन शाम को नृत्य-नाटिकाएं, लोकगायन और रंगमंचीय प्रस्तुतियां होंगी। भारतीय नौसेना बैंड की सिम्फनी, 'गोवर्धन लीला' तथा 'गंगा यात्रा' जैसी विशेष प्रस्तुतियां दर्शकों के लिए प्रमुख आकर्षण रहेंगी। आयोजन का उद्देश्य जल और संस्कृति के पारंपरिक संबंधों को रचनात्मक माध्यमों से समाज के सामने प्रस्तुत करना है। कार्यक्रम के दौरान 'जल, जंगल, जीवन' विषय पर राष्ट्रीय जनजातीय चित्रांकन कार्यशाला तथा पारंपरिक चित्र शैलियों में जल विषयक कला कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। देशभर के प्रतिष्ठित कलाकार इसमें हिस्सा लेंगे। वहीं मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय और क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के सहयोग से जलचर जीवन, भूगर्भीय जल स्रोतों और जल गंगा संवर्धन अभियान पर आधारित विशेष प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।

पंचमहाभूतों पर होगा गहन मंथन

समागम का मुख्य केंद्र भारतीय दर्शन के पंचमहाभूत-जल, पृथ्वी, वायु, आकाश और अग्नि-रहेंगे। विभिन्न वैचारिक सत्रों में जल संरक्षण, भूगर्भीय जल स्रोतों, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों पर विस्तृत चर्चा होगी। आयोजन में इसरो, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू), आईआईएम बोधगया सहित कई प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि अपने विचार साझा करेंगे। विभिन्न कॉर्पोरेट समूहों के सीएसआर प्रमुख भी जल और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनुभव प्रस्तुत करेंगे।

पुस्तक लोकार्पण और संस्थाओं का सहयोग

समागम में जल और संस्कृति विषयक कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का लोकार्पण भी किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने में भारत भवन, मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, जनसंपर्क विभाग, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, एलएनसीटी, सेज, सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, केंद्रीय भूजल बोर्ड, नर्मदा समग्र और जिला प्रशासन भोपाल सहित अनेक संस्थाएं सहयोग कर रही हैं। यह आयोजन जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

एमपी के हर नागरिक पर 55323 का कर्ज

लाड़ली बहना, सीएम किसान सम्मान निधि जैसी स्कीम ने कर्ज 497914 करोड़ पहुंचाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एमपी की धरती पर पैदा होने वाले हर बेटा-बेटी पर 55323 रुपए का कर्ज है। यह कर्ज उसने या उसके मां-बाप का नहीं बल्कि राज्य सरकार द्वारा बाजार से लिए जा रहे कर्ज के रूप में है जिसकी भरपाई सरकार प्रदेश वासियों से वसूले जाने वाले टैक्स के रूप में करती है और फिर ब्याज के साथ कर्ज देने वाली संस्थाओं को राशि चुका रही है। कर्ज की यह स्थिति वित्त विभाग द्वारा जारी किए आंकड़ों से सामने आई है।

प्रदेश की आबादी के वास्तविक आंकड़े फरवरी 2027 में आएंगे पर राज्य सरकार द्वारा जो औसत आबादी मानी जा रही है वह नौ करोड़ है। इसके आधार पर एमपी के हर व्यक्ति पर कर्ज की यह राशि सामने आई है। सबसे बड़ी बात यह है कि 31 मार्च 2025 की स्थिति में एमपी सरकार पर कर्ज की राशि 488714.17 करोड़ रुपए हैं जो इसके बाद के दो महीने में लिए गए 9200 करोड़ के कर्ज के चलते बढ़कर अब 497914 करोड़ रुपए हो गई है। बता दें कि सरकार ने पिछले साल 2025-26 में लिए गए कर्ज के मुकाबले 29 हजार करोड़ रुपए ब्याज के रूप में चुकाए हैं। माना जा रहा है कि यह किसी बड़ी योजना के बराबर की राशि है जिसका ब्याज सरकार ने चुकाया है। वित्त विभाग ने कहा है कि प्रदेश सरकार पर वर्तमान में 488714.17 करोड़ का कर्ज है।

योजनाओं ने बढ़ाया कर्ज

राज्य सरकार पर कर्ज की बढ़ती राशि के पीछे मुफ्त में बांटी जाने वाली राशि को भी कारण बताया जा रहा है। सरकार भले ही दावे करे कि जो भी कर्ज लिया जा रहा है वह अधोसंरचना विकास और प्रदेश के विकास के लिए खर्च हो रहा है लेकिन हकीकत यही है कि हर माह ली जाने वाली कर्ज की रकम लाड़ली बहना योजना, मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्जवला योजना जैसे अन्य योजनाओं पर खर्च की जा रही है और प्रदेश की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है।

कर्ज की यह राशि सरकार ने अलग-अलग सेक्टर से ली है। राज्य सरकार ने बाजार से 333278.21 करोड रुपए का लोन लिया है। कंपनसेशन और अदर बॉन्ड जिसमें पावर बांड्स भी शामिल हैं, के जरिये सरकार ने 4416. 45 करोड़ रुपए उधार लिए हैं। साथ ही वित्तीय संस्थानों से 17737.58 करोड़ रुपए सरकार ने लिए हैं। राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से लोन और एडवांस राशि के रूप में 81152.31 करोड़ रुपए ले रखे हैं।

खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को लोन देने में बैंक खींच रहे हाथ

प्रदेश के 63 फीसदी आवेदनों को नहीं मिल सकी मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

छोटे और सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना को मध्य प्रदेश में बैंकों की बेरुखी का सामना करना पड़ रहा है। लोकल फॉर वोकल और आत्मनिर्भर भारत के नारे के बीच जमीन पर हकीकत यह है कि राज्य के हजारों युवा और छोटे उद्यमी बैंकों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। प्रदेश में योजना की शुरुआत (2020-21) से लेकर अब तक कुल 42 हजार 564 आवेदन जमा किए गए। इनमें से बैंक केवल 15 हजार 727 आवेदनों को ही लोन मंजूर कर पाए हैं। यानी 63.05 प्रतिशत (लगभग 26837) आवेदन या तो बैंकों द्वारा खारिज कर दिए गए हैं या फिर अंतहीन प्रक्रिया के फेर में अधर में लटके हैं। यही नहीं स्वीकृत और वास्तव में पैसा मिलने के बीच भी 2746 फाइलों का अंतर है, यानी मंजूरी के बाद भी कई उद्यमी लोन राशि के लिए भटक रहे हैं।

योजना के तहत नए उद्योग स्थापित करने या पुरानी इकाइयों के आधुनिकीकरण के लिए सरकार द्वारा 35 प्रतिशत (अधिकतम 10 लाख रुपये) की सब्सिडी दी जाती है। सरकार का उद्देश्य अनाज, दालें, फल-सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट, तिलहन और बेकरी जैसे छोटे ग्रामीण उद्योगों को खड़ा करना है।

लेकिन बैंकों द्वारा क्रेडिट स्कोर, कोलैटरल सिक्योरिटी और तकनीकी कमियों का हवाला देकर धड़ाधड़ फाइलें वापस की जा रही हैं। इसके कारण न तो नए रोजगार पैदा हो पा रहे हैं और न ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिल पा रही है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट से ज्यादा सामान्य उद्योगों में दिलचस्पी मध्य प्रदेश के लोगों को जिला स्तर पर तय किए गए विशेष उत्पादों (ओडीओपी) की तुलना में सामान्य खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना में कहीं अधिक रुचि है। कुल जमा आवेदनों में से 38,226 आवेदन नॉन-ओडीओपी श्रेणी के हैं, जिनमें सबसे अधिक तेजी वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान देखी गई जब अकेले इस साल 13,674 आवेदन आए। इसके विपरीत, सरकार द्वारा विशेष रूप से प्रमोट की जा रही ओडीओपी श्रेणी के तहत पूरे छह वर्षों में महज 4,334 आवेदन ही आ सके हैं।

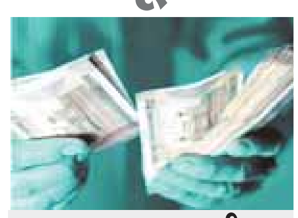

साल-दर-साल बढ़ती गई बैंको की बेरुखी...

योजना के पूरे छह वर्षों के सफर में बैंकों ने शुरुआती वर्ष 2020-21 को छोड़ दिया जाए, तो योजना के पूर्ण रूप से लागू होने के बाद सबसे कम लोन स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2021-22 में दर्ज की गई, जब बैंकों ने केवल 245 आवेदनों को ही हरी झंडी दिखाई थी। योजना के पहले साल (2020-21) की बात करें, तो तब शुरुआती दौर में महज 108 आवेदन जमा हुए थे, जिनमें से बैंकों ने केवल 3 आवेदनों को मंजूरी दी थी और सिर्फ 2 लोगों को लोन का पैसा मिल पाया था।

आदिवासी हॉस्टलों में भोजन संकट

उमंग सिंघार का सरकार पर तीखा हमला, 343 छात्रावासों में तीन महीने से राशन ठप

भोपाल , दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की राजनीति एक बार फिर जनजातीय छात्रावासों में भोजन संकट को लेकर गरमा गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मप्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि प्रदेश के 343 जनजातीय छात्रावासों में पिछले तीन महीनों से गेहूं और चावल का नियमित आवंटन नहीं हुआ है। इस वजह से 22 हजार से अधिक आदिवासी छात्र-छात्राएं बुनियादी भोजन सुविधा से वंचित हैं और छात्रावास उधारी पर चलाए जा रहे हैं। उमंग सिंघार के अनुसार मार्च, अप्रैल और मई में राशन की आपूर्ति पूरी तरह बाधित रही, जिससे 154 अनुसूचित जनजाति (एसटी) हॉस्टलों में लगभग 10 हजार और 189 अनुसूचित जाति (एससी) हॉस्टलों में करीब 12 हजार विद्यार्थी प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही के कारण बच्चों के सामने रोजमर्रा का भोजन संकट खड़ा हो गया है।

बच्चों को नहीं मिल रहा एक वक्त का भोजन

नेता प्रतिपक्ष ने तीखा हमला करते हुए कहा कि सरकार विज्ञापनों में आदिवासी हितैषी बनने का दावा करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि छात्रावासों में बच्चों को एक वक्त का भोजन भी समय पर नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकार अपने ही छात्रावासों का पेट नहीं भर सकती, तो वह आदिवासी समाज के भविष्य की सुरक्षा कैसे करेगी।

प्रदेश में 2 करोड़ 39 लाख से अधिक मकानों की गणना पूरी

भोपाल , दोपहर मेट्रो

प्रदेश में जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। राज्य सरकार के अनुसार अब तक दो करोड़ 39 लाख नौ हजार 808 मकानों की गणना पूरी की जा चुकी है। शेष कार्य भी तेजी से जारी है और 30 मई तक पूरे प्रदेश में यह प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी। सचिव गृह एवं जनगणना कार्य की नोडल अधिकारी शिल्पा गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में जनगणना कार्य निर्धारित समयसीमा के अनुसार लगातार प्रगति पर है। राज्य में कुल एक लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें से अब तक एक लाख 34 हजार 309 ब्लॉकों में कार्य पूरा किया जा चुका है।

डिजिटल माध्यम से हो रही पूरी प्रक्रिया

इस बार जनगणना प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संचालित की जा रही है। एक मई से शुरू हुए फील्ड कार्य के तहत प्रगणक नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पहुंचकर मकानों, परिवारों और अन्य संरचनाओं की जानकारी टैबलेट और मोबाइल एप के जरिए एकत्र कर रहे हैं।

महिलाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए बनेगा रिसोर्स पूल : मंत्री भूरिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

महिला सशक्तिकरण की दिशा में निर्णायक कदम उठाते हुए महिला वित्त एवं विकास निगम को नई कार्य संस्कृति और परिणामोन्मुखी भूमिका में लाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। महिला-बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया की अध्यक्षता में मंत्रालय में मध्यप्रदेश महिला वित्त एवं विकास निगम की 80वीं संचालक मंडल समिति की बैठक हुई। बैठक में जिसमें निगम की कार्यप्रणाली, लंबित प्रस्तावों, महिला रोजगार, कौशल विकास और संस्थागत सुधारों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में मंत्री भूरिया ने स्पष्ट कहा कि महिला-बाल विकास विभाग का मूल उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन नहीं, बल्कि महिलाओं का वास्तविक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण है। उन्होंने निर्देश दिए कि महिला वित्त एवं विकास निगम को प्रदेश की महिला वर्क-फोर्स तैयार करने वाली प्रमुख संस्था के रूप में विकसित किया जाए। इसके लिए निगम एक व्यापक ऑनलाइन पोर्टल तैयार करेगा, जिसमें महिलाओं की कौशल दक्षता का परीक्षण कर उन्हें कुशल, अर्द्ध-कुशल और अकुशल श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि अकुशल एवं अर्द्ध-कुशल महिलाओं को व्यवस्थित प्रशिक्षण देकर विभिन्न विभागों, उद्योगों और संस्थानों की मांग के अनुरूप रोजगार से जोड़ा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि निगम महिला श्रमिकों, कारीगरों और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित महिलाओं का ÷रिसोर्स पूल÷ विकसित करे, जिससे प्रदेश के विभागों और संस्थाओं को आवश्यकता अनुसार प्रशिक्षित महिला वर्क-फोर्स उपलब्ध कराई जा सके।

दोपहर मेट्रो | कहीं रामचरित मानस के उर्दू अनुवाद की पांडुलिपि तो कहीं स्वतंत्रता संग्राम को लेकर लिखीं चिट्ठियां मिलीं

प्रदेश में 10 लाख से अधिक पांडुलिपियां पोर्टल पर की गईं अपलोड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सांस्कृतिक धरोहरों को संजोने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रारंभ किए गए ज्ञान भारतम मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश में विभिन्न संग्रहालयों और आम लोगों के पास उपलब्ध 10 लाख से अधिक पांडुलिपियों-पत्रों, फोटो और दस्तावेज को पोर्टल में अपलोड किया गया है। चित्रकूट के तुलसी शोध संस्थान में रामचरितमानस की उर्दू, पाली और संस्कृत में अनुदित पांडुलिपियां मिली हैं, जिनकी संख्या 500 हैं। इनमें 30 के कालखंड का आकलन भी किया गया है। बाकी का किया जाना है।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दस्तावेज-बुंदेली बोली में लिखी पांडुलिपियां- इसी तरह से मध्य प्रदेश पुरातत्व अभिलेखागार में वर्ष 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी पांडुलिपियां मिली हैं। इनमें अधिकतर बुंदेली बोली में लिखी हैं। कुछ तो फट गई हैं। इनमें अधिकतर वे हैं जो रियासतों ने विलय के बाद सरकार को उपलब्ध कराई थीं। राज्य पुरातत्व विभाग के अभिलेखागार में यह पांडुलिपियां रखी हैं, जिनके डिजिटाइजेशन का काम चल रहा है।

पांडुलिपियां अपलोड करने में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर- राज्य पुरातत्व संचालनालय एवं अभिलेखागार की संयुक्त संचालक डॉ. मनीषा शर्मा ने बताया कि ऐप पर सर्वाधिक पांडुलिपियां अपलोड करने के मामले में राजस्थान, गुजरात के बाद तीसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है। प्रधानमंत्री के आह्वान पर आम लोग भी अपने पास उपलब्ध पांडुलिपियां उपलब्ध करा रहे हैं। इन पांडुलिपियों में एक लाख 53 हजार ऐसी भी हैं जो वर्ष 2004 के पहले केंद्र सरकार ने प्रदेश में एक सर्वे के दौरान संग्रहित स्थलों से खोजी थीं। आम व्यक्ति या संस्थाओं को उनके पास उपलब्ध पांडुलिपियां सौंपने के लिए आगे आना चाहिए। सौंपने के बाद स्कैन कर मूल प्रति वापस कर दी जाएगी। पोर्टल में उपलब्ध हो जाने के बाद मिशन के अंतर्गत आम लोगों को पढ़ने के लिए उपलब्ध कराया जा सकेगा। - मदन कुमार नागरगोजे, आयुक्त, पुरातत्व विभाग

तात्या टोपे और रानी लक्ष्मीबाई के ऐतिहासिक पत्र

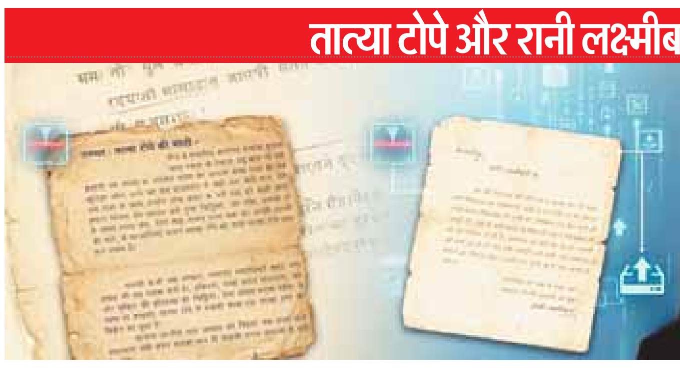

इन्हीं में से 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के समय तात्या टोपे द्वारा लिखी गई वह चिट्ठी भी शामिल है, जिसमें उन्होंने बुंदेलखंड की विभिन्न रियासतों के सूबेदार, सरदारों को लिखकर कहा था कि वह अंग्रेजों से लड़ने के लिए जो रणनीति बनाएंगे वह उन्हें स्वीकार होगी। संग्राम से जुड़े करीब डेढ़ सौ दस्तावेज हैं। इसमें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई का भी एक पत्र है जो उन्होंने टीकमगढ़ रानी लड़ाई दुलैया को लिखा था। इसमें कहा था, आप मेरी बड़ी बहन जैसी हैं। एकता बनाए रखने का आग्रह करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी के सेवा, सुरक्षा और सुशासन के बेमिसाल 12 साल

सुरेश पचौरी
वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री

लोकतंत्र में श्रेष्ठ नेतृत्व की पहचान नीति, नीयत और निष्ठा की कसौटी पर खरा उतरने से होती है। यह एक सुखद पक्ष है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इस मापदंड पर सर्वथा खरे उतरे हैं। देश की जनता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें देश का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी सौंपी और उन्होंने 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की प्रथम बार शपथ ली। बतौर प्रधानमंत्री अपने 12 वर्ष के लगातार कार्यकाल में उन्होंने राजपथ को कर्तव्य पथ के रूप में स्वीकारा तथा देशवासियों का विश्वास जीतने में कामयाब रहे।

नरेन्द्र मोदी ऐसे कर्मयोगी हैं, जो सर्वे भवन्तु सुखिनः के राष्ट्र-भाव को चरितार्थ करते हुए सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास का संकल्प लेकर भारत को दुनिया का सिरमौर बनाने में अहर्निश लगे हुए हैं। संक्षेप में कहा जाए तो मोदी जी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार का सिद्धांत है- रिफार्म, परफार्म एवं ट्रांसफॉर्म। प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की सिद्धि के लिए अपनी प्राथमिकता में GYAN को रखा है। G का तात्पर्य गरीब, Y का तात्पर्य युवा का तात्पर्य अन्नदाता किसान और N का तात्पर्य नारी। वर्तमान में केंद्र सरकार ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं में इन पर अधिक फोकस किया है।

गरीब कल्याण कार्यक्रम: केन्द्र सरकार ने समाज के शोषित, वंचित, पीड़ित एवं सर्वहारा वर्ग के हितों को दृष्टिगत रखते हुए अनेक ऐतिहासिक एवं कल्याणकारी निर्णय लिये हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की। पिछले 12 वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन बन गया है। साथ ही उज्जवला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत करोड़ो लोग लाभान्वित हुये हैं।

युवा शक्ति की बेहतरी: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्राथमिकताओं में युवाओं के लिए अच्छा स्वास्थ्य, फिटनेस और उन्हें उचित हुनर से लैस करना शामिल है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया, मुद्रा कोष योजना और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने भारत को विकसित राष्ट्र की ओर आगे बढ़ाया है।

किसान कल्याण: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन बहुत साफ़ है कि किसानों को उनकी पैदावार का सही दाम मिले। इस बाबत् फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में रिकार्ड बढ़ोत्तरी की। किसान सम्मान निधि के अंतर्गत किसानों को उनके बैंक खातों में हर चार महीनों में दो हजार रुपये पहुंचाये जाते हैं। पीएम फसल बीमा योजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (पीएमआरकेवाई) से अन्नदाता लाभान्वित हो रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण: महिला सशक्तिकरण मोदी सरकार के विकास एजेंडे का प्रमुख हिस्सा है। मातृवंदन योजना, नारी शक्ति वंदन और 33 प्रतिशत आरक्षण से महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद जगी है। केन्द्र सरकार का लक्ष्य तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का है, जिनमें से लगभग 1 करोड़ 10 लाख लखपति दीदी अपना गरिमामय जीवन जी रही हैं। बेटी बचाओ- बेटी पढ़ाओ अभियान से बेटियों का आत्मसम्मान बढ़ा है। तीन तलाक कानून की समाप्ति से मुस्लिम महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित हुई है।

स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धिः प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश में लगभग 2 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले हैं। मोदी सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के हर वर्ग खासकर सामान्य लोगों तक सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इस दिशा में जारी प्रयास के परिणाम स्वरूप अस्पताल, इलाज और दवाओं पर होने वाला खर्च निरन्तर कम होता जा रहा है। कोरोना काल में प्रधानमंत्री जी ने स्वदेशी वैक्सीन के आविष्कार में प्रेरक भूमिका निभाई।

सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना संकल्प विरासत का, संरक्षण भी और विकास भी के परिणाम स्वरूप अयोध्या में रामलला की दिव्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल लोक, केदारनाथ धाम का नवनिर्माण, बद्रीनाथ क्षेत्र का विकास, करतार साहब कॉरिडोर को खुलवाना, हेमकुंड साहब और गिरनार में रोपवे बनाना, नमामि गंगे योजना, तिरुवल्लूर में कल्चरल सेन्टर बनाना आदि उल्लेखनीय कार्यों से भारत आत्मगौरव के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वदेशी चिंतन आधुनिक देश की आर्थिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चिंतन का आधार बन रहा है।

धारा- 370 की समाप्ति: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में धारा 370 समाप्त कर दी। धारा- 370 को हटाना एक इतिहास की धारा को मोड़ने वाला निर्णय साबित हुआ है, इससे जम्मू-कश्मीर में खुशहाली की राह खुली है और देश की एकता व अखण्डता का ताना-बाना मजबूत हुआ है।

आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति: प्रधानमंत्री श्री मोदी की आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान के हुक्मरानों, पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और उनके द्वारा पोषित आतंकवादी संगठनों ने भारत में समय-समय पर आतंकवादी हमले किये हैं, जिसमें निर्दोष भारतीयों की जानें गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारतीय सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई के लिए खुली छूट दी। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकवादी अड्डों एवं प्रशिक्षण शिविरों को जमींदोज कर दिया। प्रधानमंत्री जी ने विश्व समुदाय के सामने भारत का पक्ष रखने के निए सर्वदलीय प्रतिनिधिमण्डल भेजने का फैसला लिया, जो प्रभावी कदम साबित हुआ। यशस्वी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अपने नागरिकों का कल्याण सुनिश्चत करना है। घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण के लिये केन्द्र सरकार ने बहुआयामी रणनीति बनाई है।

भारतीय सेना को सम्मान: प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न युद्धों के दौरान शहीद हुए भारतीय सेना के जवानों की पुण्य स्मृति में दिल्ली में राष्ट्रीय शौर्य स्मारक एवं नेशनल वॉर मेमोरियल निर्मित कराये गये। पूर्व सैनिकों के लिए 'वन रैंक वन पेंशन' योजना लागू की गई। केंद्र सरकार ने देश के रक्षा बजट में काफी बढ़ोत्तरी की। भारत आत्मनिर्भर होने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन जैसे तेजस लड़ाकू विमान, ब्रम्होस मिसाइल और अग्नि मिसाइल सिस्टम ने भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना दिया है। आज भारत लगभग 100 देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है। जब देश एकजुट होता है और ''नेशन फर्स्ट'' की भावना से काम करता है, तो ऐसे मजबूत निर्णय और परिणाम सामने आते हैं। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के भीतर 100 किमी तक घुसकर कार्यावाही की। यह भारत की सैनय क्षमता, राजनीतिक इच्छाशक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। भारत की मजबूत सैन्य शक्ति, भारत के मिसाइलों और ड्रोन ने पाकिस्तान एयरबेस को भारी नुकसान पहुँचाया। भारत ने रॉफेल, सुखोई, ब्रम्होस, एस-400, एस-125, स्कल्प मिसाइल, हेमर मिसाइल बम का जहॉ एक ओंर इस्तेमाल किया। वहीं स्वदेशी निर्मित आकाश मिसाइल, समर, नागास्त्र का इस्तेमाल करके पाकिस्तान के अनेक ड्रोन्स व मिसाइल नष्ट कर दिये। डीआरडीओ के अभद्य रक्षा कवच ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को तबाह कर दिया। इससे भारत के एयर डिफेंस सिस्टम के सक्षम होने की और भारत निर्मित हथियारों ओर मिसाइलों की श्रेष्ठता साबित हो गई। नया भारत 'विकसित भारत' हो इसके लिये आधारभूत संरचना को मजबूत बनाना प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता है। नागरिकता संशोधन कानून, ई-गवर्नेन्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, अक्षय ऊर्जा में वृद्धि, पीएम गतिशक्ति आदि योजनाएं देश को विकसित एवं खुशहाल भारत की ओर ले जाने की दूरगामी पहल है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जीवन राष्ट्रयज्ञ की समिधा है, और उनकी कामना रन्तिदेव की तरह राष्ट्र को वैभव पूर्ण बनाने की है।

रन्तिदेव ने कहा था -

'न त्वहं कामये राज्यं, न स्वर्गं न पुनर्भवम्।
कामये दुःखतप्तानां, प्राणिनामार्त नाशनम्।'

अर्थात् - न मुझे राज्य की कामना है, न स्वर्ग की और न पुनर्जन्म से छुटकारा पाने की। मेरी कामना तो यह है कि मैं दुखों से संतप्त प्राणियों के काम आ सकूं। इसी भावना से स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को दुनिया के समृद्ध और शक्तिशाली देशों में शुमार करने की दिशा में सन्नद्ध व संकल्पबद्ध हैं

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

पन्ना जिले के नयापुरवा गांव की घटना

कुएं की खुदाई के दौरान धंसी मिट्टी, 5 मजदूरों के शव निकाले

पन्ना। दोपहर मेट्रो

पन्ना जिले गत दिवस एक बड़ा हादसा हो गया। अजयगढ़ जनपद अंतर्गत ग्राम बीहरपुरवा के नयापुरवा में मंगलवार को कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। खेत में अचानक मिट्टी धंसने से पांच मजदूर कुएं के भीतर दब गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और गांव में चीख-पुकार के बीच राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे के बाद कई घंटों की मशक्कत के बाद 5 मजदूर के शव निकाले गए हैं। एसपी ने इसकी पुष्टि की है। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम नयापुरवा निवासी बिन्नू अहिरवार के खेत में पिछले लगभग दस दिनों से कुएं की खुदाई का कार्य चल रहा था। इस काम में सात मजदूर लगे हुए थे। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे मजदूर कुएं के भीतर खुदाई कर रहे थे। इसी दौरान दो मजदूर पानी पीने के लिए ऊपर आ गए, जबकि पांच मजदूर नीचे काम में लगे रहे। तभी अचानक भुसभुसी मिट्टी भरभराकर धंस गई और कुएं के भीतर काम कर रहे मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर बचाव प्रयास शुरू किए। पन्ना जिले की पुलिस अधीक्षक (स्क्) निवेदिता नायडू कहती हैं, एक कुआँ ढह गया, जिसके परिणामस्वरूप उसे खोदने में लगे लोगों की मौत हो गई, क्योंकि अचानक ही उन पर भारी मात्रा में मिट्टी गिर गई। हमने पाँच लोगों के शव बरामद कर लिए हैं।

सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने कहा है कि मनरेगा के तहत एक पुराने कुएं का निर्माण कार्य चल रहा था। वहां मजदूर काम कर रहे थेज यह एक दुखद घटना है, और ऐसी घटना में हम सभी उन परिवारों और उन मजदूरों के साथ खड़े हैं। मैं मुख्यमंत्री से भी बात कर रहा हूं। मैंने अभी-अभी कलेक्टर और सभी प्रशासनिक अधिकारियों से बात की है। प्रशासन ने उन्हें ज़रूरी सहायता उपलब्ध कराने के लिए तत्काल कदम उठाए हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र में हुई इस दुखद घटना से प्रभावित सभी लोगों के प्रति मैं अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त करता हूं। ऐसी दुखद घटना में हर कोई उनके साथ खड़ा है, और प्रशासन तथा सरकार उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

विधायक करेंगे 200 करोड़ रुपए के सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सिरोंज-लटेरी। दोपहर मेट्रो

क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा द्वारा आज सायं 5:30 बजे पूर्व मंत्री विकास पुरुष लक्ष्मीकांत शर्मा की 5वी पुण्यतिथि पर सिरोंज लटेरी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 2 अरब रुपये (200 करोड़ रुपये) की लागत से बनने वाले विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव के मार्गदर्शन एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक खर्च कम करने के आह्वान की भावना के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र के 108 विभिन्न स्थानों पर सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से विधायक उमाकांत शर्मा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा। इस अभिनव पहल के माध्यम से कम समय, कम संसाधन एवं बिना अनावश्यक खर्च के अधिकाधिक विकास कार्यों को जनता को समर्पित किया जाएगा। विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार के समन्वित प्रयासों से क्षेत्र में विकास कार्यों को निरंतर गति मिल रही है। सड़क निर्माण कार्य पूर्ण होने से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवागमन सुगम होगा, किसानों, विद्यार्थियों एवं आमजन को सीधा लाभ प्राप्त होगा तथा क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में विभिन्न जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं संबंधित विभागों के अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र के 108 स्थलों पर उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर विकास कार्यों के इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनने का आग्रह किया है।

हादसे का डर: पुरानी कृषि मंडी के मुख्य द्वार पर लटकता बोर्ड बन रहा खतरा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

त्योंदा रोड स्थित पुरानी कृषि मंडी के मुख्य द्वार पर लगा बोर्ड पिछले कई दिनों से खतरनाक स्थिति में लटका हुआ है, लेकिन जिम्मेदार अब तक आंखें मूंदे हुए है। तेज हवा और आंधी के चलते यह बोर्ड कभी भी नीचे गिर सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका लगातार बनी हुई है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी मुख्य द्वार से प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों का आना-जाना रहता है। मंडी परिसर में जहां थोक सब्जी की नीलामी होती है, वहीं फुटकर सब्जी विक्रेताओं की दुकानें लगने के कारण सुबह से लोगों की भारी भीड़ लगी रहती है। ऐसे में जर्जर हालत में लटका यह बोर्ड किसी भी समय लोगों की जान पर भारी पड़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई दिनों से बोर्ड एक तरफ झूल रहा है, लेकिन अब

तक इसे हटाने या सुधारने की कोई कार्रवाई नहीं की गई। नागरिकों ने आशंका जताई कि यदि तेज आंधी या बारिश के दौरान बोर्ड गिरा तो बड़ा हादसा हो सकता है। इस क्षेत्र में रोजाना आम लोगों की आवाजाही बनी रहती है। लोगों ने मांग की है कि किसी अनहोनी से पहले तत्काल बोर्ड को हटाकर सुरक्षित व्यवस्था की जाए जिससे कोई हादसा न हो सके। हालांकि यहां से कृषि मंडी शिफ्ट हो जाने से देखरेख कम हो गई है इसलिए यह स्थिति बन रही है।

सदानीरा
जल गंगा संवर्धन
ज्येष्ठ शुक्ल - कृष्ण पक्ष, विक्रम सम्वत् - 2083
27 मई से 02 जून 2026
भारत भवन, भोपाल

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री

27 मई 2026, सायं 7 बजे | भारत भवन, भोपाल
अतिथि
विश्वास सारंग, मंत्री, सहकारिता और खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
कृष्णा गौर, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन
धर्मेन्द्र सिंह लोधी, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास और धर्मस्व विभाग, मध्यप्रदेश शासन
आलोक शर्मा, सांसद, भोपाल । मालती राय, महापौर, नगर निगम, भोपाल
रामेश्वर शर्मा, विधायक, हुजूर । विष्णु खत्री, विधायक, बैरसिया
भगवानदास सबनानी, विधायक दक्षिण-पश्चिम
किशन सूर्यवंशी, अध्यक्ष, नगर निगम, भोपाल

28 मई 2026, प्रात: 10 बजे
भारत भवन, भोपाल
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. प्रकाश चौहान
निदेशक - इसरो, हैदराबाद

जल, पृथ्वी, वायु, आकाश, अग्नि पर विमर्श

27 मई 2026
प्रथम सत्र - 10 बजे से 11.30 बजे
जल तत्व
राम भटनागर, प्रमुख - सी.एस.आर., जे.के. ट्रस्ट, राजेन्द्र सिंह - पर्यावरणविद्, डॉ. श्रमण झा, प्रमुख एच.यू.एल. फाउण्डेशन, संयोजन - डॉ. विनीता सहाय, निदेशक - आई.आई.एम. बोधगया
द्वितीय सत्र - 12 बजे से 1.15 बजे
पृथ्वी तत्व
शिल्पा जायसवाल, प्रमुख - सी.एस.आर., जे. के. सीमेंट, पवित्र कुमार, प्रमुख - सी.एस.आर., जे. एस. डब्ल्यू, एल. कृष्णमूर्ति, सी.ई.ओ. - मध्य प्रदेश इकोटूरिज्म विकास बोर्ड, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव - पूर्व प्रो. बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, संयोजन - डॉ. बी.एस. सहाय, निदेशक - आई.आई.एम. जम्मू
तृतीय सत्र - 2.45 बजे से 5.30 बजे
वायु तत्व
प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, वाइस चांसलर - सीएसयू, नई दिल्ली, पतंजलि झा - पर्यावरणविद्, मनु श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, मध्यप्रदेश शासन, प्रभाकर लिंगारेड्डी, प्रमुख - सी.एस.आर., आई.टी.सी.

28 मई 2026
चतुर्थ सत्र - 10 बजे से 11.00 बजे
आकाश तत्व
डॉ. प्रकाश चौहान, निदेशक - इसरो, हैदराबाद, एच.एन. श्रीनिवास, सलाहकार, टाटा ट्रस्ट, अरुण कुमार चंद, ई.डी., एम.डी.एल., डॉ. अमिताभ पांडे, डायरेक्टर आई.जी.आर.एम.एस., डॉ. ईश्वर चंद्र दास, समूह निदेशक-भू विज्ञान समूह, इसरो
पंचम सत्र - 11.30 बजे 1.00 बजे
अग्नि तत्व
भावना कुमार मित्तल, सीएसआर हैड, हीरो फ्यूचर एनर्जीस, अविजित, सीएसआर हैड, ओ.एन.जी.सी., पीयूष प्रेरित आर्य, प्रमुख - सी.एस.आर., ओ.एन.जी.सी., प्रो. रामनारायण द्विवेदी, पूर्व व्याकरण विभागाध्यक्ष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, गोपाल जी. मेहरोत्रा, प्रमुख - सी.एस.आर., हिंदुस्तान पावर
षष्ठम सत्र - 2.30 बजे से 4.00 बजे
जल विमर्श
प्रो. विनय कुमार पांडे निदेशक-वैदिक विज्ञान केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, सुश्री अनुपम निधि प्रमुख—सी.एस.आर, वेदांता ग्रुप, चाको थॉमस ग्रुप चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर, टाटा संस, डॉ. विक्रांत सिंह तोमर, संयोजक - यूनाइटेड कॉन्शियसनेस

29 मई 2026
सप्तम् सत्र - प्रात: 10 बजे से 11.00 बजे
जल केन्द्रित विमर्श
डॉ. राजेश शर्मा, अध्यक्ष—मध्य भारत प्रांत, आरोग्य भारती, प्रीति सलूजा, कुलाधिपति, सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अमन कुमार सिंह, रणनीति प्रमुख, अदानी समूह

भोपाल की नदियों के संरक्षण की पहल
पैडल CYCLOTHON 2026
27 मई 2026 को सायं 7 बजे, भारत भवन, भोपाल
29 मई 2026 को प्रात: 6 बजे बेतवा उद्गम स्थल
VISTAAR NEWS GPBRA

प्रवाह
फिल्म समारोह
28 मई से 2 जून 2026
जल एकाग्र डाक्यूड्रामा फिल्मों का प्रदर्शन
राजदूत एवं प्रतिनिधियों की भागीदारी
फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, वेनेजुएला, मैक्सिको, इक्वाडोर, साइप्रस, नेपाल

कार्यशाला
• जल, जंगल, जीवन
• राष्ट्रीय जनजातीय चित्रांकन
• पारंपरिक चित्र शैलियों में जल चित्रांकन

प्रदर्शनियाँ
• लघु चित्रों में जल
• भूगर्भीय जल स्त्रोत
• मध्यप्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान
• जलचर - जलीय जीवन के प्राणतत्व

27 मई 2026	28 मई 2026	29 मई 2026	30 मई 2026	31 मई 2026	1 जून 2026	2 जून 2026
पूर्वरंग - सायं 6.00 बजे सिम्फनी भारतीय नौसेना बैंड मुंबई	पूर्वरंग - सायं: 5.30 बजे नदी गीत जानकी बैण्ड जबलपुर	पूर्वरंग - सायं: 5.30 बजे नदी गीत जानकी बैण्ड जबलपुर	पूर्वरंग - सायं: 5.30 बजे लोकगायन मालवी लोकगीत स्वाति ऊखले, उज्जैन	पूर्वरंग - सायं: 5.30 बजे लोकगायन निमाड़ी लोकगीत मनीषा शास्त्री, महेश्वर	पूर्वरंग - सायं 5.30 बजे लोकगायन बुंदेली लोकगीत अनामिका पाण्डेय, छतरपुर	पूर्वरंग - सायं 5.30 बजे लोकगायन बघेली लोकगीत शीला त्रिपाठी, भोपाल
बहिरंग - सायं: 7.30 बजे गोवर्धन लीला नृत्य नाटिका निर्देशक भरत प्रभात, बंगलुरु	अंतरंग - सायं: 6.30 बजे अमृतमय छाऊ नृत्य नाटिका अखरा कोलहन कला केन्द्र, झारखण्ड	अंतरंग - सायं: 6.30 बजे जल पुराण डॉ. विनोद तारे तकनीकी प्रमुख - गंगा मिशन, इंदौर बालकृष्ण शर्मा पूर्व कुलगुरु सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन विजय मनोहर तिवारी कुलपति माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय प्रेम शंकर शुक्ल मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, भारत भवन संयोजन - डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक - दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल	अंतरंग - सायं: 6.30 बजे मिराज़ मेलोडीज़ नाट्य प्रस्तुति निर्देशन इप्शिता चक्रवर्ती, मुंबई	अंतरंग - सायं: 6.30 बजे नर्मदे हर नृत्य नाटिका निर्देशन वैभव आरेकर, मुंबई	अंतरंग - सायं: 6.30 बजे क्रिटिकल पॉइंट नृत्य नाटिका मूट डांस कंपनी, दक्षिण कोरिया	अंतरंग - सायं 6.30 बजे मांगणियार गायन मांगणियार गायन गायन भूंगर खाँ मांगणियार, जैसलमेर
बहिरंग - सायं 8.15 बजे गंगा यात्रा नृत्य नाटिका निर्देशक मालती श्याम, नई दिल्ली	बहिरंग - सायं 7.30 बजे पानी नामा जल पर केन्द्रित सुगम संगीत गायन - स्वरांश पाठक एवं साथी, इंदौर संगीत संयोजन संजीव सचदेवा एवं साथी, भोपाल	बहिरंग - सायं 7.30 बजे लघुशंका नगर नाट्य प्रस्तुति निर्देशन प्रवीण भोले, पुणे	बहिरंग - सायं 7.30 बजे जल प्रवाह नृत्य नाटिका निर्देशन माधवी मुद्गल, नई दिल्ली	बहिरंग - सायं 7.30 बजे स्वानलेक बैले कोरियोग्राफी फर्नांडो अगुइलेरा, मुंबई	बहिरंग - सायं 7.30 बजे जल दर्पण नृत्य नाटिका निर्देशन विचित्रानंद स्वैन, भुवनेश्वर	बहिरंग - सायं 7.30 बजे नर्मदा हर कंकर शंकर.. नाट्य प्रस्तुति निर्देशक कुलवीर सिंह, मुंबई

सहयोग - भारत भवन • मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय • जनसंपर्क विभाग • भारतीय नौसेना • म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् • बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय • क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, भोपाल • संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय • माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय • दत्तोपन्त ठेंगड़ी शोध संस्थान • यूनाइटेड कॉन्शसनेस • केन्द्रीय भूजल बोर्ड, भारत सरकार • सेज यूनिवर्सिटी • एलएनसीटी यूनिवर्सिटी • सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी • नर्मदा समग्र • विस्तार न्यूज़ • जिला प्रशासन, भोपाल

वीर भारत न्यास
मध्यप्रदेश शासन
संस्कृति विभाग का आयोजन

D-11025/26

न्यूज विंडो

अल्टीमेटम का हुआ असर... प्रशासन झुका, अवैध ब्रेकर हटे

नरसिंहपुर। शहर कांग्रेस नरसिंहपुर की चेतावनी और आक्रामक आंदोलन की तैयारी के आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा। शहर में आमजन के लिए मुसीबत बने अवैध ब्रेकरों को लेकर कांग्रेस द्वारा दिए गए अल्टीमेटम के बाद प्रशासन हरकत में आया और अवैध ब्रेकर हटाने की कार्रवाई कर दी गई। कांग्रेस नेताओं ने साफ शब्दों में कहा था कि यदि जनता को राहत नहीं मिली तो सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन किया जाएगा। बढ़ते जनदबाव और कांग्रेस के तेवरों को देखते हुए प्रशासन को तत्काल कार्रवाई करनी पड़ी। शहर कांग्रेस ने इसे 'जनता की जीत' बताते हुए कहा कि जनता की आवाज दबाने की कोशिश करने वालों को अब समझ लेना चाहिए कि शहर कांग्रेस हर जनहित के मुद्दे पर मजबूती से खड़ी है। अवैध ब्रेकरों से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही थीं और आम नागरिक परेशान थे, लेकिन प्रशासन लंबे समय तक आंखें मूंदे बैठा रहा। कार्रवाई के बाद प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा जनता की समस्याओं की अनदेखी हुई तो और बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान शहर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटैल, सेवादल जिला अध्यक्ष अतुल चौरसिया, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष विवेक पटैल, अजय दुबे, आशीष दुबे, अभिषेक लेवी एवं संजय मेहरा मौजूद रहे।

अवैध रेत परिवहन रोकने गए हेड कॉन्स्टेबल पर माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ाया

बालाघाट। प्रदेश के बालाघाट जिले में अवैध रेत परिवहन रोकने गए हेड कॉन्स्टेबल पर रेत माफिया ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। घटना बालाघाट जिले के पलाकामथी इलाके की है। गंभीर रूप से घायल हेड कॉन्स्टेबल राजेश्वर राहंगडाले की दो पसलियां फ्रैक्चर हो गई हैं। घटना के बाद पुलिस ने घेराबंदी कर ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया। लालबर्रा थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अवैध उत्खनन, शासकीय कार्य में बाधा और जानलेवा हमले समेत विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छिंदवाड़ा के गुलाबरा वार्ड में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग, बचे लोग

छिंदवाड़ा। शहर के गुलाबरा वार्ड में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात शॉर्ट सर्किट के कारण एक ट्रांसफार्मर में आग लग गई। आग ने तेजी से फैलते हुए आसपास के बिजली तारों को भी अपनी चपेट में ले लिया, जिससे तार जलकर खाक हो गए और इलाके में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

महिला और पुरुष मजदूर वेतन से वंचित, कलेक्टर कार्यालय पहुंचे

कटनी। जिले के सरसवाही नर्सरी में कार्यरत सैकड़ों महिला और पुरुष मजदूर कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कलेक्टर को एक शिकायती पत्र सौंपकर वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों पर गंभीर आरोप लगाए। मजदूरों का कहना है कि उन्हें पिछले छह महीनों से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

पांदुर्णा में प्रेमिका ने दुपट्टे से प्रेमी का गला घोंटा, आरोपी गिरफ्तार

पांढुर्णा। जिले की सौंसर पुलिस ने जामसांवली क्षेत्र के एक खेत में हुई आकाश परमार की हत्या का खुलासा करते हुए उसकी प्रेमिका सुनंदा धुर्वे को गिरफ्तार कर लिया है। आकाश लगातार सुनंदा पर अपने साथ गुजरात चलने का दबाव बना रहा था, जिसके बाद हुए विवाद में सुनंदा ने अपने दुपट्टे से आकाश का गला घोंट दिया। पुलिस ने आरोपी महिला को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

पीड़ित लोगों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भूमि पर अवैध निर्माण एवं प्रशासनिक अनदेखी के विरोध में न्याय की मांग

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम के द्वारा नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिल्पी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम तेदूखेड़ा निवासी आदिवासी परिवार ने अपनी पैतृक भूमि पर कथित अवैध कब्जा एवं प्रशासनिक अनियमितताओं को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित पक्ष द्वारा जिला प्रशासन एवं संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रस्तुत कर निष्पक्ष जांच एवं न्याय की मांग की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमती कौशल्या मेमार पति जगदीश मेमार तथा धन्तोबाई पिता स्व. वालचंद साकिन, निवासी ग्राम तेदूखेड़ा, की भूमि तहसील कार्यालय के समीप स्थित है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि उनकी सहमति के बिना उनकी भूमि पर भवन निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

परिवार का कहना है कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 170 में दर्ज है तथा उक्त भूमि उनके वैधानिक स्वामित्व में है। पीड़ितों के अनुसार, इस संबंध में कई बार प्रशासन को लिखित शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत किए गए, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उनका आरोप है कि स्थानीय प्रशासन द्वारा बिना विधिक प्रक्रिया पूर्ण किए निर्माण कार्य को संरक्षण दिया जा रहा है। परिवार का कहना है कि उनके पास भूमि से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज एवं अभिलेख उपलब्ध हैं, इसके बावजूद उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। मामले में एक और गंभीर आरोप यह लगाया गया है कि खसरा नंबर 166, जो धन्तो बाई के पिता स्वर्गीय वालचंद के नाम दर्ज था, उसकी मृत्यु के कई वर्षों बाद भूमि की रजिस्ट्री कैसे की गई, यह जांच का विषय है। पीड़ित पक्ष ने इस पूरी प्रक्रिया को संदिग्ध बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। पीड़ित परिवार का यह भी कहना है कि वर्ष 1988-89 से लेकर वर्तमान तक तहसील कार्यालय, एसडीएम कार्यालय एवं उप पंजीयक कार्यालय में भूमि से संबंधित अभिलेखों में कई बार नामांतरण एवं दस्तावेजी कार्यवाही की गई। अंतिम दान पत्र जुलाई 2023 में जारी किया गया, जिसमें भी कथित रूप से त्रुटियां बताई जा रही हैं। परिवार ने आरोप लगाया है कि कई बार गुहार लगाने के बावजूद अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया, जिसके कारण उन्हें न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। बताया गया है कि मामला वर्तमान में माननीय उच्च न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़ित पक्ष ने जिला कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) से मांग की है कि 15 दिवस में संपूर्ण प्रकरण की सूक्ष्म एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा संबंधित भूमि पर चल रहे निर्माण कार्य को तत्काल रोका जाए। साथ ही दोषी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए ताकि आदिवासी परिवार को न्याय मिल सके। ग्रामीणों एवं सामाजिक संगठनों ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए प्रशासन से पारदर्शी जांच एवं पीड़ित परिवार को संरक्षण प्रदान करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में श्रीमती कौशल्या मेमार, श्रीकांत पोरते, नोनेलाल परस्ते, हेमराज सिंह ,संदीप ,भारती ,मनीष ,जमुना चरण सिंह, भरे ,सावित्री ,जयराम सहित अन्य लोग समिम्लत थे

मेटेवानी आरटीओ चेकपोस्ट पर देर रात ट्रक चालकों ने मचाया हंगामा, की तोड़फोड़

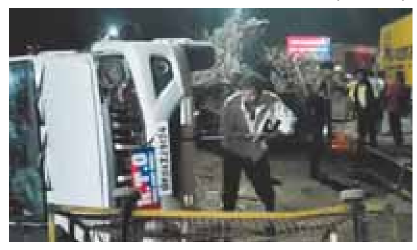

सिवनी। दोपहर मेट्रो

सिवनी जिले के कुरई थाना क्षेत्र के मेटेवानी आरटीओ चेकपोस्ट पर देर रात ट्रक चालकों ने हंगामा किया। एक ट्रक चालक के साथ जांचकर्मियों की कथित मारपीट से नाराज 100 से ज्यादा ड्राइवरों ने आरटीओ वाहन में तोड़फोड़ कर उसे पलटा दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने चेकपोस्ट के पास बनी एक कच्ची झोपड़ी में आग लगा दी। घटना के बाद आरटीओ देवेश बाथम और तहसीलदार सहित वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। आरटीओ अधिकारी ने मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया।

गीली अवस्था में बदल रहा था बल्ब, करंट लगने से मौत

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के नैनपुर नगर में करंट लगने से एक शख्स की मौत हो गई। यह घटना वार्ड नंबर 8 स्थित सद्दाम नगर में हुई, जहां बल्ब बदलते समय हादसा हुआ। जानकारी के अनुसार, सिवनी निवासी किशन मरावी (लगभग 50 वर्ष), पिता राम मरावी, अपनी बहन के घर सद्दाम नगर, नैनपुर आए हुए थे। बताया जा रहा है कि किशन मरावी गीले शरीर से घर में बल्ब लगाने का प्रयास कर रहे थे, तभी वे अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गए। सूचना मिलते ही नैनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में मौत का कारण करंट लगना बताया जा रहा है।

अमरकंटक में नर्मदा परिक्रमा यात्रियों से अवैध वसूली का आरोप, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

अमरकंटक। दोपहर मेट्रो

नर्मदा उद्गम नगरी अमरकंटक में नर्मदा परिक्रमा करने आने वाले श्रद्धालुओं एवं परिक्रमा वासियों से अवैध वसूली किए जाने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। स्थानीय लोगों, सामाजिक कार्यकर्ताओं तथा परिक्रमा यात्रियों ने आरोप लगाया है कि कुछ बस एजेंट एवं उनसे जुड़े वाहन संचालक श्रद्धालुओं की आस्था का फायदा उठाकर मनमाने तरीके से किराया वसूल रहे हैं। इस पूरे मामले को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार नर्मदा परिक्रमा करने आने वाले यात्रियों को अमरकंटक से उत्तर तट से दक्षिण तट परिवर्तन कर अरंडी संगम तक पहुंचाने के नाम पर वाहनों की व्यवस्था कराई जाती है। आरोप है कि इस कार्य में कुछ एजेंट सक्रिय हैं, जो यात्रियों को यह कहकर गाड़ियों में बैठाते हैं कि यही अधिकृत व्यवस्था है। यात्रियों को वास्तविक निर्धारित किराए की जानकारी नहीं होने के कारण प्रशासन एवं टैक्सी यूनियन को चकमा देकर यात्रियों से प्रति व्यक्ति 1000 तक वसूले जा रहे हैं। एवं दर्शन हेतु अमरकंटक टैक्सी यूनियन के रेट लिस्ट भी वाहनों में प्रदर्शित नहीं किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस कार्य में कुल चार वाहन लगाए गए थे, जिनमें सूरज दुबे, हनुमंते शर्मा , दिनेश उपाध्याय और अभय यादव की बोलेरो वाहन शामिल थीं। आरोप है कि इन वाहनों के माध्यम से बड़ी संख्या में यात्रियों को ले जाया गया और प्रत्येक यात्री से अत्यधिक किराया लिया गया। कई यात्रियों ने यह भी आरोप लगाया कि यदि कोई यात्री किराए को लेकर सवाल करता है तो उसे यह कहकर चुप करा दिया जाता है कि प्रशासन की ओर से यही दर तय की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्व में जिला प्रशासन द्वारा गठित समिति ने परिक्रमा यात्रियों के लिए किराया निर्धारित किया था, जिसके अनुसार 8 सीटर वाहन हेतु प्रति व्यक्ति 150 से 300 तक की राशि तय की गई थी।

वहीं वाहन के हिसाब से 1200 से 2800 तक शुल्क निर्धारित बताया जाता है। इसके बावजूद यात्रियों से प्रति गाड़ी 8000 से 12000 तक वसूले जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। इस प्रकार निर्धारित राशि से तीन से चार गुना अधिक वसूली किए जाने से श्रद्धालुओं में नाराजगी बढ़ रही है। नर्मदा परिक्रमा देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ी धार्मिक यात्रा मानी जाती है। हर वर्ष हजारों श्रद्धालु अमरकंटक पहुंचते हैं और कठिन परिस्थितियों में परिक्रमा पूर्ण करते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

शहडोल में होटल-धर्मशालाओं की जानकारी थानों तक नहीं

शहडोल। दोपहर मेट्रो

शहडोल संभाग के तीनों जिले शहडोल, उमरिया और अनूपपुर इन दिनों पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद होटल, लॉज और धर्मशालाओं में ठहरने वाले यात्रियों की जानकारी स्थानीय थानों तक नियमित रूप से नहीं पहुंच रही है। इसे लेकर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं।

अमरकंटक देशभर में मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में प्रसिद्ध है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। जिला प्रशासन की पर्यटन जानकारी के अनुसार अमरकंटक धार्मिक और प्राकृतिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र है, जहां नर्मदा उद्गम, कपिलधारा, दुग्धधारा और अन्य स्थलों पर बड़ी संख्या में लोग आते हैं। वहीं बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व है, जहां देश-विदेश से हजारों पर्यटक जंगल सफारी और वन्यजीव दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा शहडोल जिले में भी लगातार पर्यटकों की आवाजाही बढ़ रही संभाग के कई होटल, लॉज और धर्मशालाएं यात्रियों का रिकॉर्ड तो रखती हैं, लेकिन उसकी जानकारी संबंधित थानों के साथ व्यवस्थित रूप से साझा नहीं की जाती। इससे किसी संदिग्ध व्यक्ति की पहचान या आपराधिक गतिविधियों की निगरानी कठिन हो सकती है। पर्यटन स्थलों पर आने-जाने वाले लोगों की जानकारी पुलिस तक पहुंचना आवश्यक होता है।

इटारसी से बीड़ के बीच शुरू होगी नई पैसेंजर ट्रेन

सांसद ने प्रधानमंत्री और रेलमंत्री का जताया आभार

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

इटारसी और बीड़ स्टेशन के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है जल्दी ही इटारसी से बीड़ के बीच नई पैसेंजर पटरियों पर रफ्तार भरेगी। नई पैसेंजर की स्वीकृति की जानकारी रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने क्षेत्रीय सांसद दर्शन सिंह चौधरी को पत्र के माध्यम से दी है

लंबे समय से इटारसी से बीड़ के बीच पैसेंजर की मांग की जा रही थी सांसद श्री चौधरी ने इस मांग को प्राथमिकता से रेलमंत्री तक पहुंचाया, ओर लगातार प्रयासरत रहे, इटारसी से बीड़ के बीच इस ट्रेन के संचालन से लोगों को बड़ी राहत मिली है. रेलमंत्री ने पत्र माध्यम से सांसद श्री चौधरी जानकारी दी है कि आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि इटारसी से बीड़ के मध्य नई पैसेंजर रेलगाड़ी सं. 51690/51689 इटारसी-बीड़ पैसेंजर के परिचालन को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। हालांकि की अभी रेल प्रशासन से इस नई पैसेंजर का टाइम टेबिल निर्धारित नही हुआ है। संसदीय क्षेत्र की जनता की लंबे समय से लंबित मांग पूरी

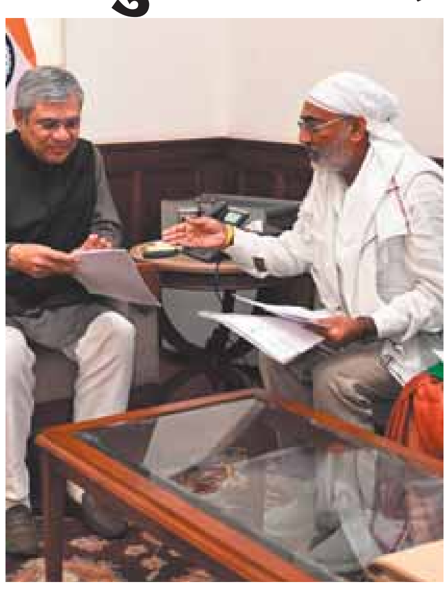

होने पर सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ओर रेल मंत्री का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि ये कदम क्षेत्र और देश के लिए विकसित भारत कि दिशा में नया कदम है

नई पैसेंजर के चलने से छोटे स्टेशन के यात्रियों को राहत

वैसे तो नई पैसेंजर गाड़ी संख्या 51690/51689के चलने से इटारसी से बीड़ के बीच सभी स्टेशन के यात्रियों को फायदा होगा, लेकिन इससे ज्यादा खुशी और फायदा उन छोटे स्टेशन के यात्रियों को होगा जहां पर एक्सप्रेस और मेल ट्रेन नहीं रुकती है। जानकारी के अनुसार इटारसी से बीड़ तक कुल 18 स्टेशन बने हुए है इनमें डोलरिया, धर्मकुंडी, पगढाल, चारखेड़ा, प्लासनेर, भिरंगी, दगरखेड़ी, बरुड, चारखेड़ा खुर्द, सुरगांव बंजारी ओर तलवाडिया जैसे स्टेशनों पर मेल और एक्सप्रेस ट्रेन नहीं रुकती है।

निगम अध्यक्ष केपी यादव का नर्मदापुरम में किया स्वागत, महाआरती में हुए शामिल

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नगर आगमन पर खाद्य नागरिक निगम के अध्यक्ष केपी यादव का मंगलवार को नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं स्थानीय भाजपा नेताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर गरिमापूर्ण स्वागत किया। अध्यक्ष का स्वागत करते हुए नीतू महेंद्र यादव ने उन्हें संस्था की आगामी गतिविधियों और स्थानीय योजनाओं में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। स्वागत कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, पूर्व नपाध्यक्ष अखिलेश खंडेलवाल, भाजपा नेता रोहित गौर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। निगम अध्यक्ष केपी यादव यहां गंगा दशहरे के अवसर पर आयोजित मां नर्मदा की महाआरती में भाग लेने के लिये आए थे। कार्यक्रम के बाद स्थानीय नेताओं व समर्थकों के साथ संवाद में उन्होंने धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजनों के महत्व पर बल दिया और कहा कि ऐसे आयोजन सामाजिक एकता व आध्यात्मिक समरसता को बढ़ाते हैं। निगम अध्यक्ष यादव का यादव महासभा के पदाधिकारियों ने भी बुके भेंट कर स्वागत किया और सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की।

शिवालय निर्माण के संकल्प संग पूर्ण हुआ विराट शतचंडी महायज्ञ

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

पुरुषोत्तम मास की पावन वेला में वेत्रवती तट स्थित नौलखी धाम तपोवन आश्रम के विजय हनुमान मंदिर पर नौ दिनों से चल रहे नवदिवसीय विराट शतचंडी महायज्ञ की पूर्णाहुति श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच सम्पन्न हुई। नौ दिनों तक पूरा आश्रम भक्ति, साधना और वैदिक अनुष्ठानों का दिव्य केंद्र बना रहा। माँ भगवती की आराधना, दुर्गा सप्तशती पाठ, शतचंडी पाठ और वैदिक मंत्रोच्चार से गूंजते वातावरण में जैसे ही महायज्ञ की पूर्णाहुति हुई, सम्पूर्ण नौलखी धाम जय माता दी के उद्घोष, शंखनाद और घंटियों की मधुर ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। यह विराट आयोजन नौलखी धाम में प्रस्तावित भव्य पाषाण शिवालय निर्माण के संकल्प एवं विश्व कल्याण की भावना को लेकर आयोजित किया गया था।

श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस दिव्य अनुष्ठान में प्रतिदिन वैदिक विद्वान ब्राह्मणों एवं विभिन्न यजमानों द्वारा विधिवत दुर्गा सप्तशती पाठ, शतचंडी पाठ और हवन सम्पन्न कराया गया। पुरुषोत्तम मास में आयोजित इस महायज्ञ ने श्रद्धालुओं को भक्ति और आध्यात्मिक चेतना से जोड़ दिया। सुबह से देर रात तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ, पाठ और माँ भगवती के दर्शन के लिए नौलखी धाम पहुंचते रहे। समापन दिवस पर विशेष पीठ पूजा, श्रीसूक्त पाठ एवं षोडशोपचार विधि से मां भगवती का पूजन सम्पन्न कराया गया। यज्ञ अग्नि में 108 कमल पुष्प, बेलपत्र, बेलफल, गन्ना, हलवा-पूरी एवं पंचमेवा की विशेष आहुतियां अर्पित की गईं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2, भोपाल

निविदा सूचना 04 वर्ष 2025-26 भोपाल, दिनांकः 20.05.2026

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2026_PWDRB_509082_1	सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग के अंतर्गत चार इमली के विभिन्न आंतरिक मार्ग कुल लंबाई -10.00 कि.मी. में नवीनीकरण कार्य।	तृतीय	244.56
2	2026_PWDRB_509087_1	मिलेट्री एरिया मुबारक भोपाल में बाउंड्रीवाल निर्माण, एक गार्ड रूम निर्माण एवं 02 वॉच टॉवर का निर्माण कार्य।	पंचम	244.56 399.86
3	2026_PWDRB_509091_1	नया समुंद से पसैया मार्ग लंबाई 2.25 कि.मी. में बी.टी. रिन्युवल का कार्य।	प्रथम	43.14
4	2026_PWDRB_509092_1	पश्चिम उपसंभाग भोपाल के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर मरम्मत, पुलियों की मरम्मत एवं रोड शेफ्टी साइनेज का कार्य।	प्रथम	50.00

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 08/06/2026 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

जी-13483/26

कार्यपालन यंत्री,
लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2 भोपाल

एक मैच में हीरो, बाकी सीजन जीरो...

आईपीएल 2026 में इन खिलाड़ियों का नहीं चला तुक्का

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अपने आखिरी और सबसे रोमांचक पड़ाव पर पहुंच चुका है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु , गुजरात टाइटन्स, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में जगह बना ली है, जबकि बाकी छह टीमों का सफर खत्म हो गया है। अब 31 मई को यह तय होगा कि इस 19वें सीजन की ट्रॉफी किसके नाम होगी। इस पूरे सीजन में जहां एक तरफ विराट कोहली की क्लासिक बल्लेबाजी, भुवनेश्वर कुमार की स्विंग और कगिसो रबाडा की तेज गेंदबाजी ने दर्शकों को रोमांचित किया, वहीं कुछ ऐसे खिलाड़ी भी रहे जिन्होंने शुरुआत तो धमाकेदार की लेकिन बाद में लगातार प्रदर्शन नहीं दोहरा सके। इन खिलाड़ियों ने एक-दो मैचों में खुद को स्टार साबित किया, लेकिन लंबे समय तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

प्रफुल्ल हिंगे: डेब्यू का धमाका, फिर गिरता ग्राफ

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने अपने आईपीएल डेब्यू पर ही तहलका मचा दिया था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने अपने पहले ही मैच में 4 विकेट झटक लिए, जिसमें पहले ओवर में ही 3 बड़े विकेट शामिल थे। इस प्रदर्शन ने उन्हें तुरंत चर्चा में ला दिया। हालांकि इसके बाद उनका प्रदर्शन वैसा प्रभावशाली नहीं रहा। अगले पांच मैचों में उन्होंने 7 विकेट जरूर लिए, लेकिन वह शुरुआती चमक नहीं दिखी।

मुकुल चौधरी: एक पारी में हीरो, बाकी में संघर्ष

लखनऊ सुपर जायंट्स के मुकुल चौधरी ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 54 रनों की नाबाद मैच जिताऊ पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था। उस पारी में उन्होंने दबाव में बेहतरीन बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई। लेकिन इसके बाद उनका बल्ला खामोश हो गया। अगली नौ पारियों में उन्होंने कुल मिलाकर केवल 116 रन बनाए। लगातार मौके मिलने के बावजूद वह प्रभाव नहीं छोड़ सके। 2.60 करोड़ रुपये की बड़ी कीमत पर खरीदे गए चौधरी से उम्मीदें काफी ज्यादा थीं, लेकिन वह केवल एक पारी के खिलाड़ी बनकर रह गए।

क्विंटन डिकॉक: एक शतक, फिर चोट और बाहर

मुंबई इंडियंस के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने पंजाब किंग्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की शानदार पारी खेली थी। उस समय लगा कि वह पूरे सीजन में टीम के लिए बड़ा योगदान देंगे। लेकिन इसके बाद उनका फॉर्म अचानक गिर गया। अगले दो मैचों में उन्होंने सिर्फ 13 और 7 रन बनाए। इसके बाद उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया और फिर चोट के कारण वह पूरे सीजन से ही बाहर हो गए। उनका प्रदर्शन अधूरा ही रह गया।

डफी: डेब्यू स्टार, फिर गिरती लय

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में मौका पाने वाले जैकब डफी ने अपने डेब्यू मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 3 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता। लेकिन इसके बाद उनका प्रदर्शन लगातार गिरता गया। अगले तीन मैचों में वह न तो विकेट लेने में प्रभावी रहे और न ही रन रोक सके।

ओस्लो में नॉर्वे चेस 2026 शुरु

भारतीय खिलाड़ियों का धमाकेदार आगाज

शुरुआती दौर में रोमांच और बराबरी का रहा मुकाबला

ओस्लो। ओस्लो में शुरू हुए नॉर्वे चेस 2026 टूर्नामेंट का पहला दिन बेहद रोमांचक रहा। दुनिया के शीर्ष ग्रैंडमास्टर्स के बीच खेले गए मुकाबलों में क्लासिकल और आर्मागेडन दोनों प्रारूपों में कड़ी टक्कर देखने को मिली। भारतीय खिलाड़ियों ने भी शानदार शुरुआत करते हुए अपने खेल से सभी का ध्यान खींचा। आर प्रग्गनानंदा और मौजूदा विश्व चैंपियन डी. गुकेश दोनों ने अपने-अपने क्लासिकल मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त किए, लेकिन इसके बाद हुए आर्मागेडन टाई-ब्रेक में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अतिरिक्त अंक हासिल किए और अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की।

प्रग्गनानंदा का आक्रामक अंदाज | आर प्रग्गनानंदा का सामना अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो से हुआ। दोनों खिलाड़ियों के बीच खेल काफी संतुलित रहा और क्लासिकल मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ। हालांकि आर्मागेडन में प्रग्गनानंदा ने आक्रामक रणनीति अपनाई और लगातार दबाव बनाते हुए मुकाबले की रफ्तार अपने पक्ष में कर ली। उनकी तेज चालों और सटीक प्लानिंग ने उन्हें जीत दिलाई और उन्होंने महत्वपूर्ण बोनस अंक हासिल किए। दूसरी ओर, डी. गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच मुकाबला बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा। क्लासिकल गेम में ऐसा लग रहा था कि कीमर बढ़त बना लेंगे, लेकिन गुकेश ने मजबूत डिफेंस और धैर्य का परिचय देते हुए हार टाल दी और मुकाबला ड्रॉ कराया। इसके बाद आर्मागेडन में उन्होंने आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए शानदार वापसी की और जीत अपने नाम कर ली।

फिरोजा का बड़ा उलटफेर, कार्लसन को झटका

दिन का सबसे बड़ा आकर्षण अलीरेजा फिरोजा और वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन का मुकाबला रहा। क्लासिकल गेम में कार्लसन नियंत्रण में दिख रहे थे, लेकिन समय की कमी के दबाव में उन्होंने एक बड़ी गलती कर दी। इसका पूरा फायदा फिरोजा ने उठाया और घरेलू मैदान पर खेल रहे कार्लसन को चौंकाते हुए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। महिला वर्ग में भी रोमांच कम नहीं था। जू वेनजुन और दिव्या देशमुख का मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन आर्मागेडन टाई-ब्रेक में दिव्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। वहीं, बिबिसारा असौबायेवा ने कोनेरू हम्पी को क्लासिकल गेम में हराकर बड़ा उलटफेर किया। इसके अलावा एना मुजीचुक और झू जिनर का मुकाबला भी ड्रॉ रहा, लेकिन आर्मागेडन में झू जिनर ने जीत हासिल कर अतिरिक्त अंक अपने नाम किए।

पाटीदार का कैच छोड़ना गुजरात को पड़ा महंगा

खिताब का बचाव करने से एक कदम दूर आरसीबी, बल्ले और गेंद से दिखाया दम

धर्मशाला, एजेंसी

गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम गुजरात टाइटंस को 92 रनों से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल के फाइनल में पहुंच गई है। आरसीबी ने कप्तान रजत पाटीदार की विस्फोटक पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में गुजरात की टीम 19.3 ओवर में 162 रन पर ऑलआउट हो गई। गुजरात के पास हालांकि, अभी भी फाइनल में जाने का एक मौका है। टीम अब हैदराबाद और राजस्थान के बीच बुधवार को होने वाले एलिमिनेटर की विजेता टीम से शुक्रवार को क्वालिफायर-2 में भिड़ेगी।

पांचवीं बार फाइनल में आरसीबी- आरसीबी ने इस तरह कुल पांचवीं बार आईपीएल के फाइनल में जगह बनाई है। टीम इससे पहले, 2009, 2011, 2016 और 2025 में फाइनल में पहुंची थी। टीम ने पिछले सीजन पंजाब किंग्स को हराकर खिताब अपने नाम किया था और टीम खिताब का बचाव करने से एक कदम दूर है। दूसरी ओर, गुजरात के लिए इस मैच में कुछ अच्छा नहीं रहा। टीम के गेंदबाज जहां महंगे साबित हुए, वहीं बल्लेबाजी पूरी तरह फ्लॉप रही। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे राहुल तेवतिया ने भले ही अर्धशतक लगाया, लेकिन टीम का अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। गुजरात की बल्लेबाजी इस मैच में इस कदर खराब रही कि टीम के आठ बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके। सिर्फ साई सुदर्शन, जोस बटलर और तेवतिया ही डबल डिजिट में पहुंच सके।

गुजरात ने पावरप्ले में गंवाए पांच विकेट

लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पावरप्ले में पांच विकेट गंवा दिए। साई सुदर्शन के रूप में गुजरात टाइटंस को पहला झटका लगा। दिलचस्प बात यह है कि सुदर्शन अजीब तरीके से आउट हुए। जैकब डफी की गेंद पर सुदर्शन ने शॉट खेला, लेकिन बल्ला उनके हाथ से छूट गया और सीधे स्टंप पर जा लगा। इस तरह वह हिट विकेट होकर पवेलियन लौटे। सुदर्शन ने नौ गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 14 रन बनाए। इसके बाद भुवनेश्वर कुमार ने कप्तान गिल को बोल्ड किया। गिल सात गेंदों पर दो रन बनाकर आउट हुए। जोश हेजलवुड ने जोस बटलर को आउट कर गुजरात टाइटंस को तीसरा झटका दिया। बटलर 11 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 29 रन बनाकर आउट हुए। रासिख सलाम डार ने फिर गुजरात को दो झटके दिए। उन्होंने पहले निशांत सिंद्धू को आउट किया और फिर जेसन होल्डर को खाता खोले बिना पवेलियन भेजकर गुजरात की पारी लड़खड़ा दी। इसके बाद गुजरात की पारी नहीं संभल सकी और टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए।

पाटीदार ने जीवनदान का उठाया फायदा

मैच का रुख हालांकि 14वें ओवर में पूरी तरह बदल गया, जब रजत पाटीदार को प्रसिद्ध कृष्णा की गेंदों पर दो बार जीवनदान मिला। उस समय पाटीदार 18 और 20 रन के आसपास खेल रहे थे। इसके बाद कुलवंत खेजरोलिया का एक ओवर काफी महंगा साबित हुआ, जिसमें खराब क्षेत्ररक्षण और दो नो-बॉल व एक वाइड सहित कुल 28 रन बने। पाटीदार ने फिर मौके का पूरा फायदा उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी की और राशिद खान तथा अन्य गेंदबाजों पर लगातार प्रहार किया। इस दौरान क्रुणाल पांड्या ने भी तेज पारी खेली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 95 रनों की तेज साझेदारी को रबाडा ने तोड़ा, लेकिन तब तक पाटीदार टीम को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा चुके थे। उन्होंने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अंत तक आक्रामक खेल जारी रखा। आरसीबी ने आखिरी छह ओवरों में 114 रन जोड़कर आईपीएल प्लेऑफ इतिहास के सबसे बड़े स्कोरों में से एक खड़ा कर दिया।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित, धनंजय डी सिल्वा को मिली टेस्ट टीम की कप्तानी

कोलंबो। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने विकेटकीपर-बल्लेबाज कुसल मेंडिस को व्हाइट-बॉल कप्तान नियुक्त किया है। तीन से सात जुलाई तक दोनों टीमें तीन वनडे, तीन टी20 और दो टेस्ट मैच खेलेंगी। इस बीच चार-दिवसीय वॉर्मअप मुकाबला भी खेला जाना है। 31 वर्षीय कुसाल मेंडिस वनडे और टी20 दोनों सीरीज में श्रीलंका की कप्तानी करेंगे, जबकि धनंजय डी सिल्वा दो मुकाबलों की टेस्ट सीरीज के लिए टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर टीमों की घोषणा करते हुए कहा, %श्रीलंका क्रिकेट की चयन समिति ने श्रीलंका के वेस्टइंडीज दौरे 2026 के लिए इन टीमों का चयन किया है। इस दौरे में तीनों फॉर्मेट- वनडे, टी20 और टेस्ट क्रिकेट के मैच खेले जाएंगे। लीडरशिप में यह बदलाव इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के निराशाजनक टी20 विश्व कप अभियान के बाद हुआ है। शनाका की कप्तानी में टीम नॉकआउट दौर के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। शनाका 16-सदस्यीय टी20 टीम में बने हुए हैं, जबकि असलंका को वनडे टीम में शामिल किए जाने के बावजूद टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है।

हसरंगा की टीम में हुई वापसी

स्टार ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा की वापसी हुई है। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने के बाद उन्हें वनडे और टी20 दोनों टीमों में शामिल किया गया है। इस चोट की वजह से वह फरवरी की शुरुआत से ही टीम से बाहर थे और लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ आईपीएल सीजन भी नहीं खेल पाए थे। कामिंदु मेंडिस दोनों व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में उप-कप्तान की भूमिका निभाएंगे। पथुम निसांका, महीश तीक्षणा और दुष्मंथा चमीरा जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ी भी टीमों में शामिल हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

दीपिका पादुकोण की गुड गर्ल इमेज को ढोंग बताने पर हुआ बवाल, डायरेक्टर ने दी सफाई

डायरेक्टर इम्तियाज अली सुर्खियों में हैं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान दीपिका पादुकोण को लेकर उन्होंने ऐसी बात बोल दी कि हर तरफ हंगामा मच गया। इम्तियाज ने दीपिका की %गुड गर्ल इमेज% को ढोंग बताया था, जिसके बाद उनके फैंस ने फिल्ममेकर को घेरा। अब इम्तियाज अली ने अपनी बात को लेकर सफाई जारी की है।

इम्तियाज अली और दीपिका पादुकोण ने साथ मिलकर दो फिल्मों में काम किया है। डायरेक्टर ने अपने बयान में दीपिका पादुकोण के नाम एक लंबी पोस्ट लिखी है। सोमवार, 25 मई को इम्तियाज ने दीपिका के बारे में अपनी टिप्पणियों पर बने एक न्यूज आर्टिकल का स्क्रीनशॉट शेयर किया। आर्टिकल की हेडलाइन थी, इम्तियाज अली की दीपिका पादुकोण पर टिप्पणियों से ऑनलाइन विवाद। इसके साथ इम्तियाज ने दीपिका को संबोधित करते हुए लिखा, मेरी सबसे प्यारी और प्रिय दीपिका पादुकोण, तुम मेरी दोस्त, मेरी बडी, ह्यूमर के लिए मेरी सुरक्षित पसंद हो। मुझे पूरा विश्वास है कि तुम मेरे मजाकिया कमेंट्स को कभी गलत नहीं समझोगी, क्योंकि तुमसे ज्यादा कोई नहीं जानता कि मैं तुमसे कितना प्यार करता हूं, तुम्हारी कितनी प्रशंसा करता हूं, तुम्हें समझता हूं और कद्र करता हूं। लेकिन मुझे बताया गया है कि तुम शायद इसे गलत समझ सकती हो और दुखी हो सकती हो, इसलिए मैं तुमसे कह रहा हूं कि प्लीज ऐसा मत करना। तुम्हारे साथ कुछ बुरा करना इस जन्म में तो पॉसिबल नहीं है। इम्तियाज अली ने आगे लिखा कि वो यह डिस्क्लेमर लिखना नहीं चाहते थे, लेकिन उन्होंने चांस नहीं लेना चाहा। फिल्ममेकर ने आगे कहा, मैंने कभी सोचा नहीं था कि तुम्हें ऐसा डिस्क्लेमर देना पड़ेगा, लेकिन काफी समय हो गया है और मैं रिस्क नहीं लेना चाहता था। तुम्हें शुभकामनाएं और हमेशा प्यार।

डायरेक्टर ने कह दी थी बड़ी बात

इस हफ्ते की शुरुआत में न्यूज18 के साथ एक इंटरैक्शन में इम्तियाज अली ने दीपिका पादुकोण की ऑफ-स्क्रीन इमेज और 2012 की फिल्म कॉकटेल में उनके किरदार के बीच के अंतर पर बात की थी। उन्होंने कहा था, टवेरोनिका उस समय दीपिका की इमेज से बिल्कुल अलग थी। लेकिन चूंकि मैं उनके साथ पार्टीज में गया था और उनके साथ रहा था, इसलिए मैं जानता हूं कि वो कितनी क्रेजी और वाइल्ड हो सकती हैं, भले ही उस समय वो बाहर से बहुत गुड गर्ल इमेज प्रोजेक्ट कर रही थीं। अब लोग उस ढोंग को देख चुके हैं।

बच्ची की हत्या पर हंस कैसे सकते हैं? IPS ऑफिसर पर गुस्साईं कुनिका सदानंद

तमिलनाडु के कोयंबटूर से हाल ही में मासूम बच्ची संग उत्पीड़न की खबर सामने आई, जिसने हर किसी का दिल दहला दिया। 10 साल की बच्ची का अपहरण के बाद यौन शोषण किया गया और फिर उसकी बेदर्दी से हत्या कर दी गई। इस मामले को लेकर पहले से ही लोगों का गुस्सा चरम पर है। वहीं अब पुलिस की असंवेदनशीलता ने लोगों का गुस्सा और भड़का दिया है। अब इस मामले पर एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने भी रिएक्ट किया है।

बच्ची संग यौन उत्पीड़न और हत्या के मामले के केस में पुलिस ने हाल ही में एक प्रेस फॉन्फ्रेंस रखी थी। मगर गंभीर मामले पर बात करने के दौरान आईपीएस ऑफिसर बाकी दो पुलिस अधिकारियों संग हंसते-खिलखिलाते नजर आईं। आईपीएस ऑफिसर का हंसते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर उनको काफी ट्रोल किया जा रहा है। कई लोगों का IPS ऑफिसर पर गुस्सा फूट रहा है। अब एक्ट्रेस कुनिका सदानंद ने भी आईपीएस ऑफिसर को फटकार लगाई है। कुनिका ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो अपने ङ्क अकाउंट पर री-शेयर करके लिखा- इनको कोई फर्क नहीं

पड़ता। तभी तो हर रोज बच्चियों का शोषण हो रहा है। एक महिला को खी खी खी करके हंसता देखना काफी दुखद है, जो खुद एक मां भी हो सकती है। कई सोशल मीडिया यूजर्स भी महिला IPS ऑफिसर पर भड़क रहे हैं और उनकी हरकत को शर्मनाक बता रहे हैं। वहीं, कुछ लोग IPS ऑफिसर के इस्तीफे की डिमांड कर रहे हैं। बता दें कि बच्ची संग दुष्कर्म और हत्या का मामला अब गरमाता जा रहा है। पुलिस अधिकारियों पर संवेदनहीनता ने लोगों को हैरान कर दिया है।

मेट्रो बाजार

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज सिस्टम शुरू किया

अहमदाबाद । अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसने संचयी 3.37 गीगावाट-घंटे का बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम शुरू किया है, जो चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज सिस्टम है और इसे विश्व स्तर पर सबसे तेजी से पूरा किया गया है। अदाणी ग्रुप की कंपनी ने बयान में कहा कि बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में 1.37 गीगावाट-घंटे की क्षमता मार्च 2026 में जोड़ी गई है और इससे एजीईएल की गुजरात के खावड़ा में ऑपरेशनल बीईएसएस क्षमता 3.37 गीगावाट हो गई है। एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, ÷बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन के अगले चरण में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तेजी से बढ़ रही है, विश्वसनीय, चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली देने के लिए भंडारण बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण हो जाता है।÷ खावड़ा में 3.37 गीगावाट घंटा बीईएसएस क्षमता के चालू होने के साथ, एजीईएल लचीली, प्रेषण योग्य और लचीली ऊर्जा प्रणालियों की नींव को मजबूत कर रहा है। सागर अदाणी ने कहा, बैटरी स्टोरेज में हमारा निवेश वैश्विक स्तर पर भविष्य के लिए तैयार स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।÷ 3.37 गीगावाट घंटा बीईएसएस क्षमता इंदौर, चंडीगढ़ या पूरे गोवा राज्य जैसे शहरों की उच्चतम बिजली मांग को पूरा करते हुए, पूरे दिन के लिए लगभग दस लाख घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा संग्रहीत कर सकता है।

निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर ने लॉन्च किया इन्वेस्टर पोर्टल

नई दिल्ली । सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत 12 फैब और पैकेजिंग प्रोजेक्ट्स और 24 सेमीकंडक्टर्स प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है और अब इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) ने इन्वेस्टर पोर्टल को लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों के विश्वास को बढ़ाना और चिंताओं को दूर करना है। यह जानकारी मंगलवार को सरकार द्वारा जारी बयान में दी गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने कहा कि आईएसएम का इन्वेस्टर पोर्टल भारत में सेमीकंडक्टर निवेश पर विचार कर रहे निवेशकों के लिए सरकारी स्कीम, नीतियों, नियामक जरूरतों और सेमीकॉन इंडिया के तहत मंजूरी किए गए प्रोजेक्ट्स की जानकारी देगा। मंत्रालय ने कहा कि संबंधित पक्षकारों को सुव्यवस्थित समन्वय और चिंताओं के समयबद्ध समाधान के लिए एक सुरक्षित, भूमिका-आधारित, एकल-खिड़की डिजिटल इंटरफेस मिलेगा। इसके जरिए सरकार की कोशिश व्यापार में आसानी को बढ़ाना है।

यह पोर्टल निवेशकों को अपनी शिकायतें या चिंताएं दर्ज करने में सक्षम बनाएगा, जिनका समाधान इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अधिकारियों द्वारा संबंधित मंत्रालयों, विभागों, संगठनों, राज्य सरकारों, अनुमोदित परियोजना कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार निकायों/संघों के नोडल अधिकारियों के सहयोग से किया जाएगा। आईएसएम के सीईओ अमितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि विदेशी निवेशकों को मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान करना काफी आवश्यक है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षकारों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए निवेशकों की चिंताओं को दूर करने में अपनी-अपनी भूमिका को सक्रिय रूप से निभाएं।

बर्फ से जमी केदारताल की झील

» साढ़े पंद्रह हजार फीट की ऊंचाई पर है स्थित

उत्तरकाशी । मैदानी क्षेत्रों में इन दिनों तापमान 40 से 45 डिग्री है तो पहाड़ों में भी 30 से 35 डिग्री सेल्सियस देखने को मिल रहा है। इस सबके बीच जनपद के गंगोत्री घाटी में समुद्रतल से करीब साढ़े 15 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारताल से अलग ही तस्वीर सामने आई है। वहां पर केदारगंगा नदी का उद्गम स्थल केदारताल की झील बर्फ से जमी हुई है। केदारताल ट्रैक से लौटे गंगोत्री रेंज के रेंज अधिकारी यशवंत चौहान ने बताया कि समुद्रतल से करीब 15580 फीट की ऊंचाई पर स्थित केदारताल की झील अभी तक बर्फ से पूरी तरह जमी हुई है। दिन में वहां पर चटख धूप देखने को मिल रही है। लेकिन रात में माइनस में तापमान जा रहा है। करीब एक किमी क्षेत्र में फैली यह झील थलयसागर और मृगुपंथ चोटी की तलहटी में स्थित है। यह गंगोत्री धाम में बहने वाली गंगा की सहायक नदी केदारगंगा का उद्गम स्थल है।

न्यूज विंडो

इंदौर में डॉक्टर हारोर वेलनेस क्लिनिक के नाम पर 1.20 करोड़ की धोखाधड़ी

इंदौर। दिल्ली के डॉक्टर हारोर वेलनेस क्लिनिक की फ्रेंचाइजी का झांसा देकर 1 करोड़ 20 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अपराध शाखा ने डॉ. नवनीत हारोर और डॉ. विनिता पाठक सहित चार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली है।डॉ. हारोर के दिल्ली और एनसीआर में कई सेंटर है, जो हेयर ट्रांसप्लांट, त्वचा सौंदर्य का उपचार करता है। वह खुद को अंतरराष्ट्रीय हेयर ट्रांसप्लांट सर्जन बताता है और बड़ी हस्तियां उसके पास उपचार करवाने आती है। पुलिस आरोपितों की तलाश में छापे मार कार्रवाई कर रही है।डीसीपी (अपराध) राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक संगम नगर निवासी 40 वर्षीय रितु दिलीप मेहता द्वारा शिकायत दर्ज करवाई थी। महिला ने पुलिस को बताया कि दो साल पूर्व डा.हारोर वेलनेस क्लिनिक संपर्क हुआ था। आरोपित ने फ्रेंचाइजी के लिए 69 लाख 50 हजार में डील हुई थी।रितु ने अलग-अलग तारीखों पर आरोपितों के खातों में रुपये जमा करवा दिए और बातचीत के लिए वॉट्सएप ग्रूप बना लिया। इसमें डॉ. नवनीत हारोर के अलवा कंपनी के डायरेक्टर डा.विनिता पाठक निवासी ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 नई दिल्ली, देब्दुलाल बनर्जी नोयडा, राहुल शावेल निवासी उत्तम नगर दिल्ली को भी जोड़ा गया।

बिहार में जांच करने गई पुलिस टीम पर हमला, एसआई सहित 3 घायल

नरकटियागंज (पश्चिम चंपारण)। जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवरिया पंचायत के मढ़िया गांव में जांच करने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया है।इस घटना में एक एसआई समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए हैं। सभी घायलों का इलाज अनुमंडल अस्पताल में कराया गया है।पुलिस ने मामले में 16 नामजद और 20 अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एक हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है।जानकारी के अनुसार मढ़िया गांव की निवासी पार्वती देवी ने शिकारपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर के सामने रास्ते पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर लिया है और उनके द्वारा लगाए गए आम के चार पेड़ों समेत आधा दर्जन पेड़ों को काट दिया है।शिकायत पर एसआई रविशंकर प्रसाद पुलिस टीम के साथ मामले की जांच करने गांव पहुंचे थे।

वॉशिंगटन: केमिकल टैंक में धमाका हादसे में एक की मौत, नौ लापता

वॉशिंगटन। अमेरिका के वॉशिंगटन में पेपर मिल में हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और नौ अन्य लोग लापता हैं। अग्निशमन विभाग के प्रमुख ने बताया कि हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस ने बताया कि घटना स्थानीय समयनुसार सुबह 7.15 बजे घटी, जब प्लांट में मौजूद केमिकल टैंक में विस्फोट हो गया। घटना में प्रभावित लोगों की पहचान अभी जाहिर नहीं की गई है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों के मुताबिक, टैंक में बेहद खतरनाक रसायन भरा हुआ था, जिसके फटने के बाद जहरीली गैस और केमिकल आसपास फैल गया। राहत और बचाव टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।यह हादसा लॉन्गव्यू इलाके में स्थित निप्पॉन डायनावेव पैकेजिंग कंपनी की मिल में हुआ। कंपनी और स्थानीय प्रशासन ने संयुक्त बयान में बताया कि एक बड़े केमिकल टैंक में अचानक विस्फोट जैसा दबाव बना और वह अंदर की तरफ धंस गया। इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। हालांकि मरने वालों की सही संख्या अभी जारी नहीं की गई है। अधिकारियों ने कहा कि कुछ लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

पद छोड़ने के बाद कर्नाटक की राजनीति में ही सक्रिय रहना चाहते हैं

सीएम की कुर्सी छोड़ेंगे सिद्धारमैया राज्यसभा का ऑफर ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्नाटक कांग्रेस में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिल सकता है। केंद्रीय हाईकमान से साफ तौर से निर्देश मिलने पर सीएम सिद्धारमैया ने पद छोड़ने का मन बना लिया है मगर उन्होंने राज्यसभा का ऑफर ठुकरा दिया है। सिद्धारमैया कर्नाटक की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं। इधर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में बदलाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पार्टी हाईकमान सिद्धारमैया को सम्मानजनक तरीके से हटाकर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला के साथ सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार की हाल ही में हुई 6 घंटे से अधिक लंबी बैठक में यह मुद्दा चर्चा का केंद्र रहा।बैठक के दौरान राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से एकांत मुलाकात में पार्टी में राष्ट्रीय भूमिका निभाने का प्रस्ताव रखा। उन्हें एक सप्ताह के अंदर जवाब देने को कहा गया है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी. शिवकुमार के बीच शुरुआत में ढाई-ढाई साल की सत्ता की शर्त के साथ शुरू हुई कांग्रेस सरकार में आखिरकार तीन साल बाद बदलाव का रास्ता लगभग साफ हो गया है।बताया जाता है कि राहुल गांधी से चर्चा के बाद आखिरकार सिद्धारमैया राज्य की सत्ता छोड़ने तैयार हो गए है हैं। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व ने दोनों नेताओं के साथ पहले अलग-अलग और फिर एक साथ बैठक की। शुरुआत में सिद्धारमैया इसके लिए तैयार नहीं थे। लेकिन राहुल गांधी ने उन्हें मना लिया।ध्यान रहे कि नेतृत्व बदलाव को लेकर पार्टी में पहले भी बैठकें होती रही थीं, लेकिन सिद्धारमैया तब राजी नहीं हुए थे और उन्हें बिना सहमत किए कांग्रेस बदलाव का कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी।

दिल्ली में रुके डीके शिवकुमार, बेंगलुरु लौटे सिद्धारमैया

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया मंगलवार देर रात दिल्ली से बेंगलुरु लौट आए। वहीं, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपने कार्यक्रम में बदलाव किया है। वे आज की बजाय कल सुबह दिल्ली से बेंगलुरु लौटेंगे। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया गुरुवार सुबह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं।इस बीच, सीएम सिद्धारमैया ने गुरुवार को सभी मंत्रियों को अपने निवास पर ब्रेकफास्ट के लिए बुलाया है। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी दिल्ली से सीधे यहीं पर आएंगे। कहा जा रहा है कि ब्रेकफास्ट मीटिंग के बाद सीएम सिद्धारमैया अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

यूपी में आंधी-तूफान से भारी तबाही, आठ लोगों की मौत

लखनऊ। भीषण लू के बीच प्रदेश के कुछ हिस्सों में सुबह आए आंधी-तूफान ने भारी तबाही मचाई। लखीमपुर, गोंडा, सीतापुर, बस्ती, संतकबीरनगर, शाहजहांपुर में हुए हादसों में आठ लोगों की जान चली गई।

तेज हवा में सैकड़ों टिनशेड उड़ गए, मकानों की दीवारें और स्कूलों की बाउंड्रीवाल ढह गईं। लखीमपुर के कारीबडेरी गांव में आंधी के दौरान लगी आग ने 40 घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आंधी के कारण बिजली व्यवस्था चरमरा गई और सैकड़ों बिजली पोल टूटने से कई गांव अंधेरे में डूब गए।गोंडा में मनकापुर-अयोध्या रेल मार्ग पर पेड़ गिरने से ट्रेनों का आवागमन ठप हो गया है। मंगलवार की सुबह आठ बजे से मालगाड़ी व वंदे भारत एक्सप्रेस 40 मिनट ट्रैक पर खड़ी रही। आम व केला की फसलें गिर गई हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए पीड़ित परिवारों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। 47.4 डिग्री अधिकतम तापमान के साथ बांदा लगातार देश में सबसे गर्म स्थान बना हुआ है। 47.0 डिग्री तापमान के साथ राजस्थान का श्रृंगारनगर दूसरे और 46.6 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ महराष्ट्र का ब्रह्मपुरी तीसरे स्थान पर है।हालांकि, आगरा में देर शाम बूंदाबांदी से कुछ राहत मिली है।लखीमपुर में नेशनल हाईवे-30 पर भी तूफान का असर दिखा, जहां जगह-जगह पेड़ गिरने से घंटों आवागमन बाधित रहा।

अमेठी से सपा विधायक महाराजी प्रजापति के घर पर दबंगों का हमला, लाठी-डंडों से की घर वालों की पिटाई

अमेठी। अमेठी कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी स्थित विधायक महाराजी प्रजापति के आवास पर देर रात दो दर्जन से अधिक दबंगों ने धावा बोल दिया। दो स्कॉर्पियो और अन्य गाड़ियों से पहुंचे लाठी-डंडों से लैस इन बदमाशों ने घर में मौजूद लोगों के साथ गाली-गलौज और मारपीट की। विरोध करने पर उन्होंने कथित तौर पर विधायक की भी पिटाई कर दी और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।शुरुआती जानकारी के अनुसार, यह पूरा विवाद कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर की गई एक टिप्पणी (कमेंट) को लेकर हुआ है। घटना में शामिल सभी आरोपी समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता और कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही अमेठी कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। दूसरी ओर, इस हमले के बाद विधायक समर्थकों में जबरदस्त आक्रोश है और बड़ी संख्या में समर्थक उनके आवास पर एकत्र हो गए हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में दिया करारा जवाब, कहा-

पाकिस्तान को भुगतने होंगे सीमा पार आतंकवाद के गंभीर नतीजे

न्यूयार्क, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पाकिस्तान को चेताते हुए कहा कि सीमा पार आतंकवाद के गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। भारत को सीमा पार आतंकवाद से खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है। साथ ही, भारतीय प्रतिनिधि ने पाकिस्तान को नसीहत दी है कि उसे हर तरह के आतंकवाद को सपोर्ट देना बंद कर देना चाहिए।

पी. हरीश ने कहा, 'पाकिस्तान की तरफ से की गई निराधार और अनुचित टिप्पणियों का जवाब देना मेरे लिए जरूरी है। भारत तथ्यों को स्पष्ट करना चाहता है। स्वतंत्र भारत ने अपनी शुरुआत पाकिस्तान की तरफ से सीमा पार से होने वाले आक्रमणों से जूझते हुए की, जो उन भारतीय क्षेत्रों पर अपना अधिकार जताना चाहता था जो पूर्ण, कानूनी और अपरिवर्तनीय विलय के परिणामस्वरूप भारत का हिस्सा बन गए थे।'उन्होंने आगे कहा, 'पाकिस्तान ने कई युद्ध छेड़कर, भारत के खिलाफ बिना उकसावे के आक्रमण कर और सीमा पार आतंकवाद को लगातार प्रायोजित कर संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है।

भारत के पास आतंकवाद से बचाव का पूरा अधिकार

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि भारत को ऐसे सीमा पार आतंकवाद से खुद का बचाव करने का पूरा अधिकार है। पाकिस्तान को यह स्वीकार करना होगा कि सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करने के परिणाम भुगतने पड़ते हैं। आतंकवाद, धार्मिक अतिवाद, हिंसक कट्टरवाद और भारत विरोधी बयानबाजी जैसी दुर्भावनापूर्ण शक्तियों का उपयोग करना, इसकी स्थापना के बाद से यह सिलसिला बिना किसी रुकावट के जारी है।उन्होंने साफ किया, 'इस संबंध में तथ्य सार्वजनिक रिकॉर्ड में मौजूद हैं और इन्हें और स्पष्टीकरण की जरूरत नहीं है।

मेट्रो एंकर

खजुराहो पहुंचे केंद्रीय आयुष मंत्री जाधव ने कहा -कोलकाता किया जाएगा मुख्य आयोजन

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग'

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने घोषणा की है कि 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय आयुष एवं स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप जाधव ने यह जानकारी दी। इस वर्ष योग दिवस की थीम स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग रखी गई है, जिसका उद्देश्य बढ़ती उम्र में शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए योग के महत्व को रेखांकित करना है।

इस घोषणा का मंच बना Khajuraho Group of Monuments, जहां योग महोत्सव 2026 का आयोजन किया गया। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के पश्चिमी मंदिर समूह में आयोजित इस कार्यक्रम के साथ ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए 25 दिवसीय काउंटडाउन भी शुरू हो गया। कार्यक्रम का आयोजन Morarji Desai National Institute of Yoga और आयुष मंत्रालय द्वारा किया गया, जिसमें हजारों योग प्रेमियों ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के सामूहिक प्रदर्शन में भाग लिया।

मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि कोलकाता भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है, इसलिए यह शहर योग दिवस 2026 के मुख्य आयोजन के लिए उपयुक्त स्थान है। उन्होंने कहा कि 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' थीम यह दर्शाती है कि आधुनिक जीवनशैली और बढ़ती उम्र की चुनौतियों के बीच योग किस तरह संतुलित और स्वस्थ जीवन का आधार बन सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा का प्रतीक है, जो आज पूरी दुनिया में निवारक स्वास्थ्य देखभाल और मानसिक संतुलन के प्रभावी माध्यम के रूप में स्वीकार किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान खजुराहो की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का भी उल्लेख किया गया। मंत्री ने कहा कि यह स्थल भारत की प्राचीन परंपराओं और वेलनेस संस्कृति के अद्भुत समन्वय का प्रतीक है तथा भविष्य में वैश्विक योग और वेलनेस केंद्र के रूप में विकसित होने की क्षमता रखता है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564